।। श्री हरि शरणम् ।।

रायसेन से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN/2012/43555

वर्ष - 13 अंक - 343

रायसेन

गुरुवार, 11 जून 2026

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

रायसेन, नर्मदापुरम एवं भोपाल से प्रकाशित

12 सालों में ग्लोबल ब्रांड बने मोदी

गरीब परिवार में जन्में प्रधानमंत्री मोदी आज देश के गरीब परिवारों के लिए हैं आदर्श, जगह-जगह हुए आयोजन

प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नायक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र सेवा के 12 वर्ष पूर्ण होने पर, मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुफा मंदिर के कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल ■ विसं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेशवासियों की ओर से उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की आज़ादी के बाद निर्वाचित रूप से सबसे अधिक अवधि तक देशसेवा करने का रिकॉर्ड आज अपने नाम किया है। वे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नायक हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में सर्वाधिक लंबे समय तक कार्य किया है। यह सभी देशवासियों के लिए गौरवशाली क्षण है। प्रधानमंत्री मोदी, जनता के हित में एकजुटता के साथ कार्य करते हैं। वे अपनी पूर्ण क्षमता के साथ भारत को दुनिया में नंबर-1 देश बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आंतरिक रूप से सुरक्षित है, और सीमा से बाहर भी दुश्मनों के दांत खट्टे कर भारतीय सेना ने अपनी सामर्थ्य सिद्ध की है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र सेवा के 12 वर्ष पूर्णहोने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव, भोपाल के गुफा मंदिर में आयोजित हनुमान चालीसा और प्रार्थना कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हनुमान चालीसा का श्रवण कर भगवान का पूजन अर्चन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम के बाद उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में स्थानीय सांसद आलोक शर्मा, रविन्द्र यति तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राम राज्य में कोई भूखा नहीं सोता था, बेटियां सुरक्षित थीं, गौमाता के पूजन के साथ-साथ सनातन संस्कृति के मंदिरों का वैभव था।

देश में एक नए संकल्प का वातावरण है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भगवान श्री राम और हनुमान जी के आशीर्वाद से पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी पवित्र गीता में बताए कर्मवाद के सिद्धांत पर काम करते हैं। उन्होंने अपने कार्यों से पृथ्वी पर अपने जन्म को सार्थक किया है। गरीब परिवार में जन्मे प्रधानमंत्री श्री मोदी आज देश के गरीब परिवारों के लिए एक आदर्श हैं। देश में एक नए संकल्प का वातावरण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सबको अवसर मिलता है। प्रदेशवासी अपने जीवन में संकल्प लें, संघर्ष करें और आगे बढ़ें।

उड़ता तीर

4399

दिन से लगातार एक ही नेता, एक ही नीति

12 साल का कार्यकाल पूरा होने पर बोले पीएम

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर इसे सामूहिक उपलब्धि बताया और जनता और सहयोगी दलों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक स्थिरता, तेज विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं ने लोगों का भरोसा मजबूत किया है। मोदी ने दावा किया कि बीते वर्षों में बुनियादी ढांचे, डिजिटल सेवाओं और आर्थिक अवसरों का तेजी से विस्तार हुआ है। साथ ही उन्होंने विकसित भारत के लक्ष्य को देश के हर नागरिक का सपना बताया। एनडीए की बैठक में पीएम मोदी ने क्या कहा, पढ़िए रिपोर्ट-

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 साल का कार्यकाल पूरा होने के अवसर पर देश की जनता का आभार प्रकट किया। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेताओं की बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आज इस यात्रा के ऐसे सभी साथियों के प्रति भी अपना आभार प्रकट करता हूं। इस अवसर पर एनडीए के सदस्यों ने एक प्रस्ताव भी पेश किया है। यह आपकी उदारता है। मैं इस यात्रा को अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं मानता। यह हम सबकी सामूहिक उपलब्धि है। ये एनडीए के हर घटक दल की एक समान उपलब्धि है। इसलिए मैं इस प्रस्ताव को आप सभी को भाजपा समेत हमारे एनडीए परिवार के सभी कार्यकर्ताओं को समर्पित करता हूं।

पीएम मोदी का रिकार्ड कार्यकाल-मान -सम्मान

'कांग्रेस के कुचक्र से आजाद हुआ देश, जनता देख रही स्थिरता'

'स्थिर सरकार का काम देख रही देश की जनता'

पीएम मोदी ने कहा, भारत की जनता का नीर-क्षीर विवेक हमेशा अद्भुत रहा है। देश की जनता ने राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक स्थिरता का महत्व समझा है। ये जनता-जनार्दन की परिपक्वता ही है कि उसने लंबे समय तक मुझे इस तरह जनता की सेवा का अवसर दिया। 2014 के पहले के कई दशक बहुत अस्थिरता और उथल-पुथल से भरे थे। इसका देश को नुकसान उठाना पड़ा था। लेकिन अब देश की जनता एक स्थिर सरकार का काम भी देख रही है और उसकी निर्णायक क्षमताओं को परख भी रही है। मैं जनता का आभार प्रकट करता हूं।

'25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला'

प्रधानमंत्री ने कहा, साल 2014 में जब एनडीए की जीत हुई थी तब मैंने कहा था कि आज देश के सामान्य मानवीय में एक नई आशा का उदय हुआ है। इस आशा का इस उम्मीद का संरक्षण हम सभी का दायित्व था। देश के लोगों ने कांग्रेस के विश्वासघात के बाद अपना भरोसा हमें सौंपा। मुझे संतोष है, गर्व है कि एनडीए परिवार के तौर पर हमने देश के विश्वास को हमेशा और मजबूत किया है। 2014 में आशा का उदय होता सूरज आज नए आत्मविश्वास के प्रकाश पुंज में बदल गया है। भारत के लोगों ने पहली बार देखा है कि जब सही नीयत से सरकार चलती है तो तेज गति से विकास होता है।

अमेरिकी राजदूत गोर ने प्रधानमंत्री को दी बधाई

प्रधानमंत्री ने बुधवार को एक नया कीर्तिमान अपने नाम किया है। इस मौके पर अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने उन्होंने बधाई दी है। अमेरिकी दूत ने कहा कि यह उपलब्धि दशकों की सेवा का सम्मान है। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने इस उपलब्धि को दशकों की समर्पित सार्वजनिक सेवा और नेतृत्व का एक सशक्त प्रमाण बताया। बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए। उन्होंने केंद्र सरकार के प्रमुख के रूप में 12 साल पूरे किए। उन्होंने निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में 4,399 दिनों के कार्यकाल के साथ पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

500 मीटर गहरी खाई में गिरी कार, 4 पर्यटकों की दर्दनाक मौत

देहरादून ■ एजेंसी

उत्तराखंड के मसूरी-देहरादून मार्ग पर बुधवार को एक बेहद खौफनाक सड़क हादसा हो गया। कोल्हूखेत के पास एक अनियंत्रित कार करीब 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। इस भयानक हादसे में दिल्ली-एनसीआर के रहने वाले चार पर्यटकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया, लेकिन खाई इतनी गहरी थी कि किसी भी यात्री को जिंदा नहीं बचाया जा सका। पुलिस से मिली प्राथमिक जानकारी के अनुसार, यह दर्दनाक हादसा उस वक्त हुआ जब ये पर्यटक मारुति सेलेरियो कार (छरूछ्स्4610) से उत्तरकाशी की यात्रा कर वापस लौट रहे थे। ढलान वाले घुमावदार रास्ते पर उतरते समय अचानक कार के ब्रेक फेल हो गए, जिसके चलते ड्राइवर गाड़ी से अपना नियंत्रण पूरी तरह खो बैठा। संतुलन बिगड़ने के बाद कार तेजी से सड़क से नीचे उतर गई और सीधे 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और हादसे की असली वजह का पता लगाने के लिए वाहन की मैकेनिकल जांच भी की जाएगी। गहरी खाई से काफी मशक्कत के बाद चारों शवों को निकालकर उनकी शिनाख्त कर ली गई है। मृतकों की पहचान सोनीपत निवासी सत्यप्रकाश, 19 वर्षीय युवक मनित, गाजियाबाद के नेहरू नगर निवासी 48 वर्षीय सविता (पत्नी धर्मवीर) और दिल्ली के करोल बाग निवासी 46 वर्षीय संगीता (पत्नी टीटू) के रूप में हुई है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

अंतर्मना उवाच

आज का थोथा ज्ञान

हम समझाते भी अच्छा हैं, समझते भी अच्छा हैं, लेकिन स्वयं न समझना चाहते हैं, न सुधरना चाहते हैं..!

यही कारण है कि आज देश में हर एक घंटे में 18-20 मौतें हो रही है। ***ज्ञान अथाह है, केवल विवेक का अभाव है।***

'बिन विवेक सत्संग न होई,
बिन विवेक प्रभु मिलन न होई।'

स्त्री-पुरुषों, युवक-युवतियों में ***आत्महत्या का विचार*** *स्त्री-युवतियों में ज्यादा आता है, लेकिन आंकड़े पुरुष के ज्यादा आते हैं। स्त्रियों में कोई भी छोटा बड़ा दु:ख आता है तो वह रो लेगी, चिल्ला लेगी, गुस्सा कर लेगी और बाद में नॉर्मल हो जाएगी। पुरुष यह नाटक करने में फैल है, इसलिए वह डायरेक्ट सूइसाइड आत्महत्या करने के निर्णय पर पहुंच जाता है। माना कि प्रयास स्त्री अधिक करती है परंतु परिणाम पुरुषों में युवकों के ज्यादा आते हैं।*

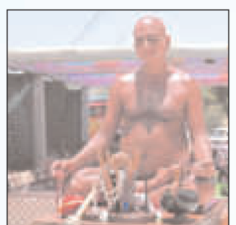

भीष्ण गर्मी में 42डिग्री तापमान में तप करते तपस्वी सम्राट अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज

हम अपने प्रवचन में अक्सर कहते हैं -

'स्त्री चाहे कितना भी काजू-बादाम खा ले,
पिस्ता बेचारा आदमी ही है...'

आत्महत्या एक ऐसा कुकृत्य है जो बेहोशी, तन्द्रा, मूर्छा अज्ञान की दशा में होता है। *जिस भारतभूमि में आत्मकल्याण और आत्मध्यान की चर्चा होती हो, वहाँ आत्महत्या जैसे कुकृत्य हो रहे हैं, यह आध्यात्मिक देश या आत्मनिर्भर भारत की सबसे बड़ी असफलता है। जिस देश में* ***60 लाख से ज्यादा साधु संत*** *विचरण करते हों, सत्संग करवाते हों, कथा प्रवचन करते हों और फिर भी यदि हमारा देश बुराइयों से ना बच पाएं, कुकृत्यों से बाहर ना निकल पाएं, कषाय और अहंकार से मुक्त ना हो पाएं, तो सब बेकार है।* ***धर्म की आड़ में या तो साधु सन्यासी अपनी-अपनी रोटियां सेक रहे हैं, या फिर अच्छा खासा व्यापार कर रहे हैं।***

आध्यात्मिक भारत देश का व्यक्ति यदि प्राप्त सत्संग, ज्ञान ध्यान से इतना ही समझ लें कि आत्महत्या समझदारों का कार्य नहीं, यह तो ना समझो और मूर्खों के कार्य हैं। तो अनेक जीवन बच सकते हैं।

जीवन ईश्वर का अमूल्य उपहार है। *समस्या चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो, उसका समाधान जीवन समाप्त करना नहीं, बल्कि साहस, संवाद, संयम और आत्मविश्वास के साथ उसका सामना करना है।*

जीवन से बड़ा कोई संघर्ष नहीं और संघर्ष से बड़ा कोई विजेता नहीं...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

मोदी कैबिनेट के बड़े फैसले

अमरावती को मिली 2500 करोड़ से ज्यादा की सौगात

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार के 12 साल पूरे होने के खास मौके पर बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की अहम बैठक हुई। इस बैठक में देश के विकास को रफ्तार देते हुए कई बड़े और ऐतिहासिक फैसले लिए गए हैं। कैबिनेट ने जहां एक तरफ अहमदाबाद मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के विस्तार को अपनी हरी झंडी दी है, वहीं दूसरी तरफ आंध्र प्रदेश की नई राजधानी अमरावती के लिए भी करोड़ों रुपये के बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को मंजूरी देकर बड़ी सौगात दी है।

आंध्र प्रदेश की नई राजधानी अमरावती के विकास को पंख लगाते हुए केंद्र सरकार ने दो बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की घोषणा की है। इसके तहत 23.25 लाख वर्ग फीट क्षेत्र में 1299 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से 'सेंट्रल गवर्नमेंट जनरल पूल ऑफिस अकॉमोडेशन' (सरकारी आवास गृह) का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही, 'जनरल पूल रेजिडेंशियल अकॉमोडेशन' के तहत 31.30 लाख वर्ग फीट इलाके में 1235 करोड़ रुपये की लागत से नए सरकारी आवास भी बनाए जाएंगे।

कैबिनेट ने अहमदाबाद मेट्रो के फेज 2ए के तहत 6 किलोमीटर के नए कॉरिडोर को मंजूरी दे दी है। इस नए रूट पर पांच नए अत्याधुनिक स्टेशन बनाए जाएंगे। इस पूरे प्रोजेक्ट के विस्तार में करीब 2169 करोड़ रुपये का खर्च आने का अनुमान लगाया गया है।

नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक आज

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक 11 जून को नई दिल्ली में होने जा रही है। बैठक का विषय '2047 तक विकसित भारत के लिए समावेशी मानव विकास' रखा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस अति महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने के लिए 10 जून को नई दिल्ली पहुंच चुके हैं। नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की इस बैठक में राज्यों के मुख्यमंत्री और उप राज्यपाल एक साथ मिलकर समावेशी मानव विकास प्रारूप पर चर्चा करेंगे।

गृहग्राम और ससुराल में नहीं रह सकेंगे पंचायत सचिव

नई तबादला नीति जारी, रिश्तेदार सरपंच या उप सरपंच बने तो भी हटाए जाएंगे

भोपाल ■ विसं

तबादला सीजन के बीच पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने पंचायत सचिवों के स्थानांतरण को लेकर नई गाइडलाइन जारी कर दी है। नई नीति के तहत अब कोई भी पंचायत सचिव अपने गृहग्राम या ससुराल की पंचायत में पदस्थ नहीं रह सकेगा। इसके साथ ही जिस पंचायत में सचिव के रिश्तेदार सरपंच या उपसरपंच बन जाएंगे, वहां से भी सचिव का तबादला किया जाएगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के आधार पर यह नई गाइडलाइन जारी की है। विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टरों और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि तय समय सीमा के भीतर स्थानांतरण प्रक्रिया पूरी कराई जाए। बता दें कि मध्य प्रदेश में 23 हजार से ज्यादा पंचायत सचिव हैं।

विभागीय निर्देशों के मुताबिक स्थानांतरण आदेश मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा जारी किए जाएंगे।

15 जून तक होंगे तबादले

9 जून को जारी आदेश के अनुसार 15 जून तक जिले के भीतर पंचायत सचिवों के स्थानांतरण किए जा सकेंगे। स्थानांतरण प्रस्ताव जिला कलेक्टर की अनुशंसा और प्रभारी मंत्री की स्वीकृति के बाद जारी किए जाएंगे। यह प्रक्रिया एक जून से ही मान्य की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने निषाद सम्मेलन में दिए थे संकेत मिलेगी बड़ी जिम्मेदारी

महेश केवट पार्षद से सीधे पार्लियामेंट मेंबर बनेंगे

भोपाल ■ दिनेश शर्मा

राज्यसभा सांसद उम्मीदवार महेश केवट ने अमृत दर्शन से चर्चा करते हुए कहा कि में भाजपा नेतृत्व का आभारी हूं जिन्होंने मुझे यह सम्मान दिया में पहले से ही भाजपा में रह कर सेवा करता रहा हूं और आगे भी करता रहूंगा ।मैने कभी नहीं सोचा था कि इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी अभी घोषणा बाकी है इंतजार करे आज भी में अपनी मोटर साइकिल से गांव गांव जाता हूं लोगो के बीच पहुंच कर समस्या सुनता और हल करवाने का प्रयास करता हूं पहले ही मुझे मत्स्य बोर्ड का अध्यक्ष का दायित्व मिला है ।आपने बताया कि 2000 से लेकर 2005 तक ओरछा नगर परिषद के उपाध्यक्ष भी रहा हूं।

निवाड़ी जिले के ओरछा कस्बे के वार्ड नंबर 12 स्थित हरिशंकरी मुहल्ले में रहने वाले महेश केवट के राज्यसभा जाने का रास्ता लगभग साफ है। मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज होने के बाद यदि कांग्रेस को कोर्ट से राहत नहीं मिलती है तो महेश केवट मध्य प्रदेश से केवट, माझी, मल्लाह, रैकवार, भोई समाज के पहले राज्यसभा सांसद होंगे।

महेश केवट 2000 से लेकर 2005 तक ओरछा नगर परिषद के उपाध्यक्ष भी रहे। महेश की पत्नी ने ओरछा नगर परिषद के अध्यक्ष का चुनाव भाजपा के अधिकृत उम्मीदवार के तौर पर लड़ा था लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। मुख्यमंत्री ने निषाद राज सम्मेलन में ही दे दिए थे संकेत, मछुआ समुदाय को मिलेगी बड़ी जिम्मेदारी। इस साल के सरकारी कैलेंडर में छपी थी महेश केवट की तस्वीर ,पूर्व में बीजेपी ने कर दिया था इन्हें निष्कासित ।2022 के नगर परिषद ओरछा के चुनाव में उस समय स्थानीय बीजेपी नेतृत्व ने महेश केवट पर पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोपों में उन्हें निष्कासित कर दिया था। महेश के साथ उन कार्यकर्ताओं को निष्कासित किया गया था जिन्होंने भाजपा के अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ा था।

महेश के साथ करीब दर्जन भर भाजपाई और पार्टी से बाहर किए गए थे। लेकिन, महेश और निवाड़ी विधायक अनिल जैन ने भोपाल में भाजपा के प्रदेश कार्यालय में महेश केवट के निष्कासन की फाइल निकलवाई तो यहां कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। महेश ने पार्टी को यह जानकारी दी कि उन्होंने और उनके परिवार के किसी सदस्य ने बागी होकर चुनाव नहीं लड़ा है। बल्कि सोशल मीडिया में कई ऐसे पत्र वायरल हुए जिनमें महेश के निष्कासन के आदेश में कुछ और नाम जोड़कर उन्हें भी बीजेपी से निष्कासित बताया गया। इसके बाद पार्टी ने अधिकारिक तौर पर 2023 में महेश के निष्कासन को समाप्त करने का आदेश तत्कालीन प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी की तरफ से जारी किया था।

संक्षिप्त समाचार

खंडवा में चोर समझकर ग्रामीणों ने पुलिसकर्मियों को पीटा

खंडवा। खंडवा के बोरगांव बुजुर्ग चौकी क्षेत्र के ग्राम कुमठी में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात कच्ची शराब के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची पुलिस टीम और ग्रामीणों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच मारपीट की स्थिति बन गई। घटना के बाद पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है, जबकि आदिवासी समाज के लोगों ने पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार गांव में कच्ची शराब के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पुलिसकर्मी पहुंचे थे। आरोप है कि कार्रवाई एक शराब ठेकेदार के इशारे पर की जा रही थी। ग्रामीणों का कहना है कि मौके पर पहुंचे एक एएसआई और एक कांस्टेबल वर्दी में नहीं थे, बल्कि सिविल ड्रेस में थे। उनके साथ शराब ठेकेदार से जुड़े कुछ लोग भी मौजूद थे। ग्रामीणों का आरोप है कि आधी रात को पहुंचे लोगों की गतिविधियां संदिग्ध लग रही थीं। सिविल ड्रेस में होने और कार्रवाई का तरीका स्पष्ट नहीं होने के कारण गांव के लोग उन्हें पुलिसकर्मी नहीं पहचान पाए।

जबलपुर में 11 साल के प्रिंस की डूबने से मौत

जबलपुर। जबलपुर में तीन दोस्तों के साथ हिरण नदी में नहाने गया 11 वर्षीय बालक गहरे पानी में चला गया, जिससे डूबने से उसकी मौत हो गई। घटना बुधवार दोपहर की है। प्रिंस रैकवार अपने दोस्तों के साथ नदी में नहाने गया था। उसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में पहुंच गया और डूबने लगा। घटना के समय नदी किनारे कुछ लोग मौजूद थे। बच्चों और महिलाओं की चीख-पुकार सुनते ही आसपास के लोग नदी में कूद गए। काफी प्रयास के बाद प्रिंस को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। सूचना मिलने पर पाटन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमॉर्टम के लिए पाटन स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। शाम को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। जानकारी के अनुसार, प्रिंस के माता-पिता का काफी पहले निधन हो चुका था। वह ग्राम मादा में अपने नाना और मामा के साथ रहता था। मासूम की मौत से गांव में शोक की लहर है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नकली सोना रखवाकर 43 लाख का लोन दिला दिया

जबलपुर। जबलपुर से बैंक धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। यहां सदर स्थित पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में बैंक द्वारा अधिकृत गोल्ड वैल्यूअर (सोना जांचने वाले विशेषज्ञ) ने ही मिलकर बैंक को करीब 43 लाख रुपए की चपत लगा दी। आरोपियों ने सांठगांठ कर बैंक के लॉकर में नकली सोना रखवाया और उस पर लाखों का लोन फाइनेंस करा लिया। बैंक मैनेजर की शिकायत पर पुलिस ने 2 वैल्यूअर्स समेत 15 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। बैंक में जब भी कोई ग्राहक गोल्ड लोन लेने आता है तो बैंक अपने अधिकृत वैल्यूअर से सोने की शुद्धता की जांच कराता है। इस केस में बैंक ने न्यू रामनगर स्थित अभिनव ज्वेलर्स के संचालक राजीव सोनी को वैल्यूअर नियुक्त किया था। राजीव सोनी ने बैंक आने वाले 13 ग्राहकों के नकली सोने को अपनी रिपोर्ट में असली बताकर लोन पास करवा दिया। पत्नी के जेवर भी नकली : हद तो तब हो गई जब राजीव की पत्नी पूजा सोनी खुद बैंक में नकली जेवर गिरवी रखकर लोन लेने पहुंची। इस बार सोने की जांच कांचघर स्थित सिद्धेश्वरी ज्वेलर्स के संचालक आशुतोष सराफ ने की और उसने भी इस नकली सोने को असली प्रमाणित कर दिया।

MIC की बैठक में निर्णयः मांस-मटन की अवैध दुकानें हटेंगी

शहरी सीमा से बाहर करने का प्रस्ताव नहीं आ सका, TDR राशि का भुगतान उज्जैन निगम करेगी

उज्जैन ■ निसं

उज्जैन में बुधवार को आयोजित मेयर-इन-काउंसिल (एमआईसी) की बैठक में मांस-मटन की दुकानों को शहरी सीमा से बाहर करने का प्रस्ताव नहीं आ सका। इसके बाद एमआईसी ने फिलहाल अवैध रूप से संचालित मांस-मटन की दुकानों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है। बैठक में इसके अलावा कई अन्य प्रस्तावों पर भी मुहर लगाई गई।

बैठक में कहा गया कि उज्जैन एक पवित्र नगरी है, इसलिए शहर में अवैध रूप से संचालित मांस-मटन की दुकानों को हटाने की कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही मार्ग चौड़ीकरण से प्रभावित संपत्ति मालिकों को मिलने वाले टीडीआर (ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट्स) पर भी चर्चा हुई।

निर्णय लिया गया कि जिन मकान मालिकों को नगर निगम द्वारा टीडीआर दिया गया है और वे उसका उपयोग नहीं कर रहे हैं, उन्हें टीडीआर के बदले उसकी राशि का भुगतान नगर निगम द्वारा किया जाएगा।

मार्ग चौड़ीकरण से प्रभावित भवन स्वामियों को मिलेगा मुआवजाः महापौर मुकेश टटवाल ने बताया कि मार्ग चौड़ीकरण कार्य से प्रभावित भवन स्वामियों को मुआवजा प्रदान करने संबंधी प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। कुल 2 करोड़ 24 लाख रुपए से अधिक के मुआवजा प्रकरण स्वीकृत किए गए हैं। इसके तहत वार्ड क्रमांक 20 में मिर्जा नईम बेग मार्ग स्थित पानी की टंकी के सामने निगम स्वामित्व वाली स्व. अटल बिहारी वाजपेयी मल्टीलेवल वाहन पार्किंग के ठेके से संबंधित प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई।

इसके अलावा गैल इंडिया चौराहे से नीलगंगा, शांति नगर से मंछामन चौराहे तक, सांवेर रोड स्थित मुनी नगर से सार्थक नगर होते हुए इंदौर रोड तक तथा हामूखेड़ी बिजासन माता मंदिर से देवास रोड तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य से प्रभावित भवनों को मुआवजा देने के प्रस्ताव स्वीकृत किए गए।

सिंहस्थ-2028 के तहत हरिफाटक रेलवे ओवरब्रिज के फोरलेन चौड़ीकरण कार्य में नगर निगम उज्जैन की बारह खोली क्षेत्र में स्थित प्रभावित मकानों के रहवासियों को क्षतिपूर्ति (मुआवजा) राशि का भुगतान करने का भी निर्णय लिया गया। इसके साथ ही वार्ड क्रमांक 24 में गांधी बालोद्यान, क्षीरसागर के बाहर स्थित यूरिनल को हटाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की गई।

नगर निगम निरीक्षण में अनुपस्थित कर्मचारी निलंबित, पांच का वेतन कटा

उज्जैन। नगर निगम कमिश्नर अभिलाष मिश्रा ने बुधवार को नगर निगम मुख्यालय के विभिन्न विभागों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बिना सूचना लंबे समय से अनुपस्थित पाए गए एक कर्मचारी को निलंबित करने और पांच अन्य कर्मचारियों का दो-दो दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। आयुक्त मिश्रा सबसे पहले स्थापना शाखा पहुंचे, जहां उन्होंने विभागीय कर्मचारियों की जानकारी लेने के साथ उपस्थिति रजिस्टर की जांच की। जांच के दौरान सहायक वर्ग-3 कर्मचारी अभिषेक रघुवंशी की उपस्थिति 1 जून से दर्ज नहीं मिली। जानकारी में सामने आया कि उन्होंने 1 से 5 जून तक अवकाश के लिए आवेदन दिया था, लेकिन अवकाश स्वीकृत नहीं हुआ था। इसके बावजूद कर्मचारी 5 जून के बाद भी कार्यालय नहीं पहुंचा। इस पर नाराजगी जताते हुए आयुक्त ने अभिषेक रघुवंशी को निलंबित किए जाने के निर्देश दिए। वहीं स्थापना शाखा में अनुपस्थित पाए गए हर्षिल शाह, सहायक वर्ग-3 का दो दिन का वेतन काटने के आदेश भी दिए गए।

अस्पताल प्रबंधन ने मारपीट को नकारा

बच्चे की मौत का मामला, रिपोर्ट में बताया- परिजनों ने पहुंचकर किया था विवाद

सीहोर ■ निसं

सीहोर जिला अस्पताल के पीआईसीयू में भर्ती एक बच्चे के उपचार और रेफरल से संबंधित एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ था। इस मामले में सिविल सर्जन डॉ. यूके श्रीवास्तव ने स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने बताया कि 8 जून को शाम 5:05 बजे ढाई वर्षीय बालक विराट को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल अवस्था में जिला चिकित्सालय की आपातकालीन इकाई में लाया गया था। डॉक्टरों ने तत्काल बच्चे का परीक्षण किया और उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जीवन रक्षक उपचार शुरू किया। उसे पीआईसीयू में भर्ती कर वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। बालक के सिर में गंभीर चोट थी और उसकी हालत अत्यंत नाजुक थी।

जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों ने परिजनों और अटेंडरों को उच्च स्तरीय उपचार के लिए तत्काल भोपाल रेफर करने की सलाह दी थी। उन्हें बताया गया कि बच्चे को शीघ्र न्यूरोसर्जन को दिखाना आवश्यक है।

डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि रात 9:30 से 10:30 बजे के बीच मरीज के कई परिजन एक साथ अस्पताल पहुंचे। उन्होंने पीआईसीयू में मौजूद चिकित्सकों के साथ इलाज सही तरीके से न करने की शिकायत करते हुए विवाद शुरू कर दिया। स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। अस्पताल प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि अस्पताल के किसी भी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा मरीज के परिजनों के साथ किसी भी प्रकार की अभद्रता या दुर्व्यवहार नहीं किया गया।

सागर में चलती कार में लगी आग, जलकर हुई खाक

भोपाल से लौटकर छतरपुर जा रहे थे कार सवार, शार्ट सर्किट से लगी आग

सागर ■ निसं

सागर के बहेरिया थाना क्षेत्र में सागर-छतरपुर रोड पर बोलेरो कार में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप ले लिया और कार पूरी तरह जल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर फाइटर मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। पुलिस ने घटना का पंचनामा बनाया है। प्राथमिक जांच में गाड़ी में शार्ट सर्किट से आग लगना माना जा रहा है। कार चालक राहुल तिवारी उम्र 32 साल निवासी अमानगंज मोहल्ला छतरपुर ने बताया कि वह यात्री बुकिंग वाली प्राईवेट गाड़ी में ड्राइवरी करता है।

भोपाल से छतरपुर बोलेरो न्यू क्रमांक एमपी 16 जेडडी 0979 से अपनी सवारी लेकर जा रहा था। मंगलवार देर रात सागर-छतरपुर रोड पर स्थित राजा ढाबा के पास ब्रिज के पहले कर्रापुर पहुंचे तो हमारी गाड़ी में शोर्ट सर्किट होने से धुंआ निकलने लगा?। धुआं देख गाड़ी रोकी और सड़क किनारे खड़ी की।

गाड़ी में बैठे पवन कुशवाहा, राघवेन्द्र सिंह नरवरिया, संदीप भारतद्वाज, प्रिये निरंज पांडा बाहर आ गए। बोनट पर पानी डाला, लेकिन आग बढ़ती गई। आग देख पुलिस और फायर फाइटर को सूचना दी। पुलिस मौके पर फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया।

आगजनी में गाड़ी पूरी जल गई। गाड़ी में रखे दस्तावेज भी जले हैं। मामले में बहेरिया पुलिस ने पंचनामा बनाकर जांच शुरू की है।

आशा कार्यकर्ता को बेडरूम में घुसकर हंसिए से काटा

पन्ना में मर्डर के बाद आरोपी ने सल्फास खाया; बंद कमरे में मिले दोनों के शव

पन्ना ■ निसं

मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में बुधवार दोपहर एक आरोपी ने कमरे में बंद कर आशा कार्यकर्ता को हंसिए से काटकर हत्या कर दी। महिला की गर्दन और बाएं हाथ के ऊपरी हिस्से पर चोट के कई निशान हैं। वारदात के बाद आरोपी ने सल्फास खाकर खुदकुशी कर ली। एक ही कमरे में दोनों के लहूलुहान शव मिले। मृतक की पहचान रजनी शुक्ला (37) के रूप में की गई है। रजनी सुनवानी क्षेत्र में आशा कार्यकर्ता थीं। पवई में किराए के मकान में रहती थीं। आरोपी सुरेंद्र उर्फ सीताराम तिवारी रजनी के गांव का ही रहने वाला था। दोनों एक-दूसरे को जानते थे।

आरोपी ने महिला की बेटी को घर से बाहर निकालाः पवई पुलिस के मुताबिक, आरोपी दोपहर 1 से 2 बजे घर पहुंचा। इस दौरान रजनी की 17 वर्षीय बेटी भी वहां थी। आरोपी ने उसे जबरन कमरे से बाहर निकालकर अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद रजनी और सुरेंद्र के बीच किसी बात पर विवाद हुआ।

रजनी शुक्ला, मृतक

धारदार हथियार से किया हमलाः महिला की बेटी के मुताबिक, मां और आरोपी के बीच विवाद बढ़ गया। आरोपी ने धारदार हथियार से रजनी शुक्ला पर हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हुईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वारदात के दौरान बाहर मौजूद बेटी कमरे के अंदर नहीं जा सकी।

हत्या के बाद आरोपी ने भी जहर खायाः वारदात के बाद आरोपी सुरेंद्र उर्फ सीताराम तिवारी ने सल्फास की गोली खा ली। जहर से उसकी भी मौके पर मौत हो गई। कमरे के बाहर मौजूद 17 वर्षीय बेटी ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

7 साल से फरार मर्डर का मुख्य आरोपी पकड़ाया

सागर में शव को नाले में फेंककर भागा था, पहले से दर्ज हैं 13 आपराधिक केस

सागर ■ निसं

सागर जिले की राहतगढ़ थाना पुलिस ने हत्या के एक पुराने मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने 7 वर्षों से फरार चल रहे हत्या के मुख्य आरोपी बल्लू उर्फ बलराम यादव को गिरफ्तार कर लिया है। इस कुख्यात आरोपी की गिरफ्तारी पर पुलिस द्वारा 5 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया गया था।

पुलिस के अनुसार, 23 फरवरी 2019 को खुरई तिराहा के पास सिरसी नाला के पानी में आरिफ उस्मानी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला था। मर्ग कायम कर जब पुलिस ने जांच शुरू की, तो परिजनों

के बयानों, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर बल्लू उर्फ बलराम यादव और रामस्वरूप कोरी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रामस्वरूप कोरी को तो गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, लेकिन मुख्य आरोपी 46 वर्षीय बलराम यादव (निवासी साईंखेड़ा) तब से ही फरार चल रहा था।

पुलिस आरोपी के घर, रिश्तेदारों और अन्य संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही थी, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग रहा था।

20 हजार की उधारी पर युवक की चाकू मारकर हत्या

ग्वालियर। ग्वालियर के मुरार थाना क्षेत्र में महज 20 हजार रुपए के लेनदेन को लेकर 25 वर्षीय युवक मोनू राजे की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। बेटे को बचाने पहुंची मां को भी बदमाशों ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना बंसीपुरा हाथी खाना इलाके में आज दोपहर 2 बजे घटी। जानकारी के मुताबिक मृतक मोनू राजे मजदूरी का काम करता था। उसका कुछ लोगों से करीब 20 हजार रुपए का लेनदेन चल रहा था। मोनू ने आरोपियों से कहा था कि उसके माता-पिता गांव गए हुए हैं और उनके लौटने के बाद वह रकम लौटा देगा। बुधवार सुबह ही उसके माता-पिता गांव से वापस ग्वालियर लौटे थे। परिजनों के अनुसार दोपहर करीब दो बजे 5 युवक मोनू को घर के नीचे बुलाकर गाली-गलौज करने लगे। उस समय उसके पिता अशोक राजे घर की छत पर मौजूद थे।

3 गोलियां लगीं, फिर भी नहीं छोड़ी पोजीशन

लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी को मारने पर शौर्य चक्र मिला; रीवा स्टेशन पर हुआ जोरदार स्वागत

रीवा ■ निसं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों शौर्य चक्र से सम्मानित होने के बाद सीआरपीएफ जवान संजय तिवारी बुधवार को अपने गृह जिले रीवा पहुंचे। रेलवे स्टेशन पर उनका किसी विजेता की तरह भव्य स्वागत किया गया। सिरमौर तहसील के डेलही गांव निवासी संजय के स्वागत में बड़ी संख्या में लोग उमड़े। ढोल-नगाड़ों की थाप, फूल-मालाओं और 'भारत माता की जय' के नारों के साथ विंध्य के इस लाल का जोरदार अभिनंदन किया गया।

अपने शौर्यपूर्ण अभियान को

याद करते हुए संजय तिवारी ने कहा कि उनके लिए अपनी जान से ज्यादा अपना देश प्यारा है। उन्होंने बताया कि उन्हें तीन गोलियां लगी थीं, लेकिन उन्हें अपनी चोटों की चिंता नहीं थी। उनके लिए सबसे जरूरी था कि आतंकी बचकर न निकल पाए। उन्होंने अपनी जान की परवाह नहीं की, क्योंकि आतंकवादी को मारना उनका परम कर्तव्य था।

गोलियां खाकर भी मोर्चे पर डटे रहेः संजय तिवारी को यह सर्वोच्च सम्मान उनके असाधारण साहस और कर्तव्य परायणता के लिए दिया गया है। जम्मू-कश्मीर में एक आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान उनकी टीम को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिली थी।

इसके बाद सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इसी दौरान आतंकियों ने अचानक ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। भारी गोलीबारी और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच संजय तिवारी अग्रिम हमला दल का हिस्सा बनकर आगे बढ़ते रहे।

50,146 राशन हितग्राहियों की ईकेवाईसी के निर्देश

सीहोर कलेक्टर ने 30 जून तक दोबारा कराने को कहा

सीहोर ■ निसं

सीहोर जिले में राशन हितग्राहियों के लिए ईकेवाईसी को लेकर विशेष अभियान चलाया जाएगा। कलेक्टर बालागुरू के. ने निर्देश दिए हैं कि जिले के 50 हजार 146 राशन हितग्राही 30 जून 2026 तक अपनी ईकेवाईसी दोबारा कराएं। यह प्रक्रिया उन सभी हितग्राहियों के लिए अनिवार्य होगी, जिनकी अंतिम ईकेवाईसी वर्ष 2021 से पहले हुई थी। निर्धारित समयसीमा में ईकेवाईसी पूरी कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

2021 से पहले ईकेवाईसी कराने वालों को फिर करना होगा सत्यापनः खाद्य विभाग के अनुसार जिले में ऐसे 50,146 हितग्राही चिन्हित किए गए हैं, जिनकी ईकेवाईसी पांच वर्ष या उससे अधिक समय पहले हुई थी। शासन के निर्देशों के तहत अब इन सभी हितग्राहियों का पुनः सत्यापन किया जाएगा, ताकि पात्र और अपात्र हितग्राहियों की सही पहचान सुनिश्चित हो सके।

पीओएस मशीन और फेस

ऑथेंटिकेशन से होगी प्रक्रियाः हितग्राहियों की ईकेवाईसी पीओएस मशीन और फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक के माध्यम से की जाएगी। इससे पहचान प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सटीक बनेगी। विभाग ने सभी उचित मूल्य दुकानों और संबंधित अधिकारियों को इस कार्य के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली संशोधन आदेश 2025 के तहत कार्रवाईः शासन द्वारा जारी सार्वजनिक वितरण प्रणाली संशोधन आदेश-2025 के अनुसार पात्र परिवारों की सूची की नियमित समीक्षा करना आवश्यक है। इसी व्यवस्था के तहत प्रत्येक पांच वर्ष में ईकेवाईसी कराना अनिवार्य किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य ऐसे परिवारों को सूची से हटाना है जो अब पात्र नहीं हैं, साथ ही पात्र परिवारों को योजना का लाभ दिलाना है।

पात्र हितग्राहियों तक लाभ पहुंचाने पर जोरः प्रशासन का मानना है कि समय-समय पर होने वाली ईकेवाईसी प्रक्रिया से सार्वजनिक वितरण प्रणाली अधिक प्रभावी बनेगी। इससे राशन वितरण में पारदर्शिता आएगी और वास्तविक जरूरतमंद परिवारों तक खाद्यान्न का लाभ पहुंच सकेगा।

सीहोर जिले में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत खाद्यान्न आवंटन, उठाव और वितरण की व्यवस्था लगातार बेहतर बनी हुई है।

नटराजन के नामांकन केस को लेकर खंडवा में प्रदर्शन

चुनाव आयुक्त का पुतला फूंका, काली पट्टी बांधकर कांग्रेस नेताओं का मौन धरना

खंडवा ■ निसं

एमपी राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र निरस्त किए जाने के विरोध में बुधवार को खंडवा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं ने केवलराम पेट्रोल पंप चौराहे पर मौन धरना के दौरान मुंह पर काली पट्टी बांधी और चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ विरोध जताया। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था पर आघात बताया।

धरने के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि नामांकन निरस्त करने की कार्रवाई निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के विपरीत है और इससे लोकतांत्रिक मूल्यों को नुकसान पहुंचा है। प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग से फैसले पर पुनर्विचार करने और मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

राजनीतिक दबाव में हुई कार्रवाई : उत्तमपाल सिंहः जिला कांग्रेस अध्यक्ष उत्तमपाल सिंह ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किया जाना पूरी तरह राजनीतिक दबाव का परिणाम प्रतीत होता है।

मंगोलिया से आज साँची लौटेंगे भगवान बुद्ध के शिष्यों के अस्थि कलश

भोपाल ■ निसं

साँची के चेतियागिर विहार में रखे भगवान बुद्ध के प्रधान शिष्यों सारिपुत्त और महामोग्गलान के अस्थि कलश आज मंगोलिया से साँची पहुचेंगे। अस्थि कलश को श्रीलंका महाबोधि सोसायटी के अध्यक्ष एवं लंकाजी टेंपल जापान के मुख्य संघनायक वेनेगल उपतिस्स नायक थेरो और राष्ट्रीय संग्रहालय दिल्ली के पदाधिकारी 30 मई को दिल्ली से मंगोलिया लेकर गये थे। मंगोलिया की राजधानी उलानबटार स्थित गंडन तेगचेनलिंक मठ में में अस्थि कलश को 9 जून तक आम जनता के दर्शनाथ रखा गया था। अब इन्हें पुनः चेतियागिर विहार में पारम्परिक पूजा के उपरांत रखा जाएगा।

अस्थि कलश गुरुवार को दोपहर में दिल्ली से भोपाल लाये जाएंगे और वहां से पूरी सुरक्षा व्यवस्था के साथ साँची रवाना होंगे। साँची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के रविन्द्र सिंह ठाकुर को अस्थि कलश को पुनः साँची लाने हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कुलसचिव प्रो रामनिवास गुप्ता ने अस्थि कलश की व्यवस्था हेतु आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिये हैं।

बाबुओं के भरोसे चल रहा शहरी प्रशासन

नगरीय निकायों में अफसरों का टोटा, 5 हजार पद खाली

भोपाल ■ निसं

मध्य प्रदेश के नगरीय निकायों में अधिकारियों और तकनीकी कर्मचारियों की भारी कमी शहरी प्रशासन के लिए गंभीर चुनौती बन गई है। प्रदेश के नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर परिषदों में लगभग 5 हजार नियमित पद रिक्त हैं। स्थिति यह है कि कई निकायों में क्लर्क और कार्यालय सहायक मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) का प्रभार संभालकर प्रशासन चला रहे हैं। इसका सीधा असर विकास कार्यों, जनसेवाओं और वित्तीय प्रबंधन पर पड़ रहा है।

प्रदेश में वर्तमान में 413 नगरीय निकाय कार्यरत हैं। शहरीकरण की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदेश में कम से कम 500 सीएमओ और 3 हजार इंजीनियरों की आवश्यकता है, लेकिन अधिकांश निकायों में आवश्यक प्रशासनिक और तकनीकी अमला उपलब्ध नहीं है। परिणामस्वरूप कई योजनाएं समय पर पूरी नहीं हो पा रही हैं और स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित हो रही है।

कैडर पुनर्गठन नहीं होने से बढ़ीं समस्याएं: नगरीय निकायों में कर्मचारियों और अधिकारियों की नियुक्ति व्यवस्था आज भी मध्य प्रदेश नगर पालिका सेवा (कार्यपालन) नियम, 1973 के आधार पर संचालित हो रही है। पिछले पांच दशकों में शहरी आबादी और विकास कार्यों का दायरा कई गुना बढ़ा है, लेकिन अधिकारियों के कैडर का समुचित पुनर्गठन नहीं हो सका। इसी कारण महत्वपूर्ण पद लंबे समय से रिक्त पड़े हैं।

नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय अब कैडर रिव्यू का प्रस्ताव तैयार कर रहा है। विभागीय अधिकारियों का मानना है कि नए सिरे से कैडर संरचना तय होने के बाद आवश्यक पद सृजित किए जा सकेंगे और योग्य अधिकारियों की नियुक्ति का रास्ता साफ होगा।

बाबुओं से वापस लिया जाएगा सीएमओ का प्रभार: हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में बाबुओं को सीएमओ का प्रभार दिए जाने का मुद्दा प्रमुखता से उठा। मंत्रियों ने भी इस व्यवस्था पर आपत्ति जताई थी।

संक्षिप्त समाचार

सर्वधर्म ब्रिज की जाली उखड़ी, भ्रष्टाचार का आरोप

भोपाल । भोपाल के कोलार रोड सिक्सलेन स्थित सर्वधर्म ब्रिज पर सौंदर्यीकरण के लिए लोहे की जालियां लगाई गई हैं। कुछ दिन पहले तेज आंधी से जालियां उखड़ गईं। इसे लेकर कांग्रेस ने भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन को लेटर लिख जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग भी की गई है। कोलार कांग्रेस के अध्यक्ष राहुल सिंह राठौड़ ने बताया कि सौंदर्यीकरण के लिए लगाई गई जालियों में भ्रष्टाचार किया गया है, जो थोड़ी सी तेज हवा में ही उखड़ गई। कमिश्नर से निर्माण की जांच, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई के साथ जालियों को तुरंत ठीक करने की मांग की गई है। लेटर में कमिश्नर को बताया गया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत पिछले साल जालियां लगाई गई थीं, जो तेज हवा से उखड़ गई। इस मामले में जांच कर स्वच्छता मिशन का कार्य करने वाले जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो।

कांग्रेस विधायक विपिन जैन सड़क हादसे में घायल

भोपाल । भोपाल में कांग्रेस विधायक विपिन जैन सडक़ हादसे में घायल हो गए। हादसा 74 बंगला क्षेत्र में उस समय हुआ जब वे अपने सरकारी निवास से कांग्रेस कार्यालय के लिए रवाना हुए थे। दुर्घटना में विधायक के साथ उनके पीएसओ को भी चोटें आई हैं। विधायक को टांके लगाए गए हैं और उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। भोपाल के वीआईपी इलाके 74 बंगला में कांग्रेस विधायक विपिन जैन का वाहन हादसे का शिकार हो गया। जानकारी के अनुसार विधायक अपने सरकारी निवास से कांग्रेस कार्यालय जाने के लिए निकले थे, तभी एक ऑटो दुर्घटनाग्रस्त हो गया और हादसा हो गया। इस दुर्घटना में विधायक विपिन जैन को चोटें आई हैं। उनके शरीर पर गंभीर चोट लगने के कारण चिकित्सकों ने टांके लगाए हैं। हादसे में विधायक के साथ मौजूद उनके पीएसओ को भी चोट आई है ।इस दुर्घटना में विधायक विपिन जैन को चोटें आई हैं। उनके शरीर पर गंभीर चोट लगने के कारण चिकित्सकों ने टांके लगाए हैं। हादसे में विधायक के साथ मौजूद उनके पीएसओ को भी चोट आई है। पूर्व मंत्री और विधायक जयवर्धन सिंह ने घायल विपिन जैन को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में खुद मौजूद रहकर उन्होंने विपिन जैन का इलाज कराया। मीनाक्षी नटराजन के नामांकन निरस्त होने के खिलाफ चुनाव आयोग के सामने धरने पर कांग्रेस विधायक जा रहे थे, इसी बीच हादसे का शिकार हो गए। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

स्लैब के नाम पर गरीब बिजली उपभोक्ताओं के साथ धोखा

भोपाल । मध्यप्रदेश में घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के लिए लागू स्लैब आधारित बिलिंग व्यवस्था एक बार फिर चर्चा में है। उपभोक्ताओं का कहना है कि निर्धारित सीमा से मात्र एक यूनिट अधिक बिजली खर्च होने पर पूरे बिल पर ऊंची दरें लागू हो जाती हैं, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। जानकारी के अनुसार 150 यूनिट तक बिजली उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं को अपेक्षाकृत कम दर पर बिल मिलता है, लेकिन खपत 151 यूनिट होते ही बिल में बड़ा अंतर आ जाता है। ऐसे में सिर्फ एक यूनिट अधिक खपत कई बार सैकड़ों रुपये का अतिरिक्त भार डाल देती है। इसे लेकर उपभोक्ता संगठनों ने भी आपत्ति जताई है और स्लैब व्यवस्था की समीक्षा की मांग की है। बिजली कंपनियों का तर्क है कि स्लैब प्रणाली ऊर्जा बचत को प्रोत्साहित करने के लिए बनाई गई है, जबकि उपभोक्ताओं का कहना है कि यह व्यवस्था कई बार उनके लिए दंडात्मक साबित होती है।

डमी दुकानों को लाइसेंस कैसे मिले?

एसटीएफ की कार्रवाई में डेढ़ करोड़ का माल जब्त, 11 आरोपी गिरफ्तार

कफ सिरप रैकेट की जांच में औषधि विभाग संदेह के घेरे में

भोपाल ■ निसं

कोडीन युक्त कफ सिरप की अवैध बिक्री और वितरण के खिलाफ मध्यप्रदेश विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की कार्रवाई ने न केवल एक बड़े नशा कारोबार का खुलासा किया है, बल्कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच में सामने आया है कि जिन दवा दुकानों के लाइसेंस पर करोड़ों रुपये के कफ सिरप की सप्लाई हो रही थी, वे वास्तव में डमी प्रतिष्ठान थीं और वहां नियमित दवा कारोबार का कोई अस्तित्व नहीं था। एसटीएफ द्वारा भोपाल और आसपास के क्षेत्रों में की गई कार्रवाई में करीब डेढ़ करोड़ रुपये मूल्य के दो प्रकार के कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किए गए थे। जांच में पता चला कि इन दवाओं का भंडारण घरों और अन्य निजी स्थानों पर किया जा रहा था तथा लेबल बदलकर ग्रामीण क्षेत्रों में खपाया जा रहा था।

जांच एजेंसी के अनुसार मंडीदीप स्थित विंग्स लाइफ रेमिडिज के नाम से जारी दवा लाइसेंस का उपयोग इस अवैध कारोबार में किया जा रहा था। लाइसेंस बालकिशन के नाम पर था, जो दवा कंपनी का प्रतिनिधि बताया गया है। एसटीएफ का दावा है कि दुकान केवल कागजों में संचालित हो रही थी, जबकि वास्तविक गतिविधियां कहीं और से संचालित की जा रही थीं। दिल्ली से मंगाए गए कफ सिरप के लेबल बदलकर उन्हें नए नाम से बाजार में भेजा जाता था।

इसी तरह मिसरोद क्षेत्र में अर्जुन ट्रेडर्स नामक प्रतिष्ठान भी जांच के दायरे में आया है। इसके संचालक राहुल उर्फ अर्जुन मालवीय को एसटीएफ ने बैतूल से गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि दोनों प्रतिष्ठानों में दवाओं का वास्तविक स्टॉक नहीं था, लेकिन उनके लाइसेंस का उपयोग बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित दवाओं की खरीद और वितरण के लिए किया जा रहा था।

क्या बिना जांच दिए गए लाइसेंस: यहीं से खाद्य एवं औषधि विभाग की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं। नियमों के अनुसार किसी भी दवा दुकान का लाइसेंस जारी करने से पहले औषधि निरीक्षक द्वारा स्थल निरीक्षण किया जाता है।

दुकान में आवश्यक बुनियादी सुविधाओं, भंडारण व्यवस्था और नियमानुसार संचालन की पुष्टि के बाद ही लाइसेंस जारी किया जाता है। ऐसे में यदि संबंधित प्रतिष्ठान वास्तव में डमी थे और वहां दवा कारोबार नहीं हो रहा था, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि निरीक्षण के दौरान यह स्थिति क्यों नहीं पकड़ी गई। या बिना निरीक्षण ही दवा दुकान को लाइसेंस दे दिए गए। एसटीएफ अब तक इस मामले में 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। मुख्य आरोपियों में सीहोर निवासी आकाश भाटी और परवलिया सडक़ निवासी अकील खान शामिल हैं।

एसटीएफ का फोकस नेटवर्क को ध्वस्त करने पर

एसटीएफ अधिकारियों का कहना है कि उनका फोकस फिलहाल अवैध सप्लाई नेटवर्क को ध्वस्त करने और इसमें शामिल आरोपियों को गिरफ्तार करने पर है। एसटीएफ के पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह भदौरिया ने स्पष्ट किया कि फिलहाल औषधि निरीक्षकों की भूमिका की जांच उनकी एजेंसी के दायरे में नहीं है। दूसरी ओर खाद्य एवं औषधि विभाग भी इस मामले में रक्षात्मक मुद्रा में दिखाई दे रहा है। विभाग के प्रभारी अधिकारी कन्हैया लाल ने स्वीकार किया कि संबंधित दुकानों का अस्तित्व था, लेकिन वहां माल नहीं मिलने के संबंध में उन्होंने विस्तृत टिप्पणी करने से बचते हुए कहा कि तथ्यात्मक स्थिति आमने-सामने चर्चा के दौरान स्पष्ट की जा सकती है।

बिजली कार्मिक करेंगे शिकायतों का तत्काल समाधान

बिजली उपभोक्ताओं से निरंतर संवाद बनाए रखें : ऋषि गर्ग

भोपाल ■ निसं

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने उपभोक्ताओं की सुविधा को देखते हुए फ्यूज ऑफ कॉल (विद्युत अवरोध को दूर करना) समय पर अटेण्ड करने के निर्देश दिए हैं। प्रबंध संचालक ने कहा है कि कंपनी के समस्त मैदानी अधिकारी अथवा कार्मिक अपने मोबाईल फोन को 24 घंटे चालू रखें। उन्होंने कहा कि बिजली उपभोक्ताओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसलिए बिजली कंपनी के सभी अधिकारी अपना मोबाईल 24 घंटे चालू रखें एवं उपभोक्ताओं के कॉल अटेण्ड करें। इसके साथ ही क्षेत्रीय मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, संभागीय उपमहाप्रबंधक एवं सभी मैदानी अधिकारी कॉल सेन्टर 1912, व्हाट्सएप चैटबोट तथा स्थानीय वाट्सएप ग्रुप एवं अन्य माध्यम से सप्राप्त होने वाली विद्युत संबंधी शिकायतों का तत्काल समाधान करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। प्रबंध संचालक ने सभी मैदानी अधिकारियों से कहा है कि वे सीआरएम पोर्टल पर सतत् निगरानी रखें और जनप्रतिनिधि तथा उपभोक्ताओं से संवाद बनाये रखें।

कंपनी ने कहा है कि ऑंधी, बारिश के दौरान एवं अन्य व्यवधान के कारण हुए बिजली फॉल्ट की शिकायतें दर्ज कराने के लिए कंपनी ने उपभोक्ताओं को अनेक विकल्प प्रदान किये हैं। अब उपभोक्ताओं के पास विद्युत व्यवधान संबंधी शिकायतों को दर्ज करने के लिए कॉल सेन्टर के टोल फ्री नंबर 1912, व्हाट्सएप नंबर 0755-2551222, मोबाइल एप 'उपाय अथवा कंपनी की वेबसाइट portal.mpcz.in का विकल्प मौजूद है। उपभोक्ता इन विकल्पों में से किसी भी एक विकल्प का उपयोग कर अपनी विद्युत व्यवधान संबंधी शिकायतें दर्ज कर आसानी से निराकरण करा सकते हैं।

कंपनी ने कहा है कि उपभोक्ता शिकायत दर्ज करने के लिए अपने मोबाइल में कंपनी के व्हाटसएप नंबर 07552551222 को सेव कर मैसेज Hi लिखकर भेजें एवं आगामी संदेशों का पालन करें। इसी प्रकार प्ले स्टोर एवं ऐप स्टोर के माध्यम से उपाय एप को डाउनलोड कर एवं उसके उपयोग से भी अपनी शिकायत आसानी से दर्ज करा सकते है। कंपनी के पोर्टल portal.mpcz.in पर जाकर एलटी सर्विसेज पर क्लिक करें उसके उपरांत कंपलेंट पर क्लिक करें तथा आगामी निर्देशों का पालन करें अथवा 1912 पर कॉल कर आईवीआरएस के माध्यम से त्वरित शिकायत दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध है।

भोपाल मंडल के 14 प्रमुख स्टेशनों पर निःशुल्क शीतल पेयजल सेवा

भोपाल ■ निसं

भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान के बीच यात्रियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने स्टेशनों पर पेयजल सुविधाओं को और सुदृढ़ किया है। मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया के नेतृत्व में मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के लिए नि:शुल्क शीतल एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से विदिशा, नर्मदापुरम, संत हिरदाराम नगर, अशोकनगर, गंज बसोदा, खिरकिया, मंडी बामोरा, रूठियाई, हरदा, भोपाल, गुना, बदरवास, मूंगावली एवं शाजापुर सहित भोपाल मंडल के 14 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष जलसेवा अभियान संचालित किया जा रहा है।

इस अभियान के तहत स्वयंसेवक सेवा-भाव से यात्रियों को ठंडा एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करा रहे हैं। पेयजल वितरण के दौरान स्वच्छता एवं गुणवत्ता के सभी मानकों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है, ताकि यात्रियों को सुरक्षित और शुद्ध पेयजल मिल सके। गर्मी के मौसम में यह व्यवस्था विशेष रूप से लंबी दूरी की यात्रा करने वाले तथा सामान्य श्रेणी के यात्रियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि भोपाल मंडल यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि गर्मी के इस कठिन दौर में अतिरिक्त पेयजल व्यवस्था यात्रियों को राहत प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है तथा भविष्य में भी यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए ऐसे प्रयास जारी रहेंगे।

सायबर जालसाजों से सावधान रहें, बिल भुगतान केवल अधिकृत माध्यमों से करें : ऊर्जा मंत्री तोमर

भोपाल ■ निसं

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने बिजली बिलों का नगद भुगतान कंपनी के जोन, वितरण केन्द्र कार्यालय, पीओएस मशीन अथवा अधिकृत भुगतान केन्द्रों जैसे एम.पी.ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर पर ही करें। उपभोक्ताओं को कंपनी के पोर्टल (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि) फोन पे, अमेजान पे, गूगल पे, पेटीएम ऐप, व्हाट्सऐप पे एवं उपाय मोबाइल ऐप के माध्यम से भी बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है।

मंत्री तोमर ने कहा है कि उपभोक्ता को असमय विद्युत विच्छेदन से बचने के लिये किसी निजी मोबाइल नंबर से कॉल कर भुगतान करने के लिये कोई एसएमएस/व्हाट्सऐप जारी नहीं किया जाता है। कंपनी द्वारा निर्धारित आईडी से ही एसएमएस एवं व्हाट्सऐप केवल 07552551222 सेंडर आईडी से ही प्रेषित किए जाते हैं। उपभोक्ता किसी अन्य सेंडर आईडी अथवा निजी नंबर से आए भ्रामक मेसेज से सतर्क रहें। कंपनी अंतर्गत विद्युत देयकों के भुगतान के लिए उपभोक्ता पहचान नंबर यानि आईवीआरएस नंबर की जरूरत होती है। आईवीआरएस नंबर के आधार पर ही जोन, वितरण केन्द्रों या अन्य गेटवे एमपी ऑनलाइन, पेटीएम, फोन पे, गूगल पे. अमेजन पे, व्हाट्सऐप पे आदि पर बिजली बिलों का भुगतान होता है। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे किसी भी अनजान मोबाइल नंबर से आए फोन या व्हाट्सऐप मैसेज के आधार पर किसी भी मोबाइल नंबर पर देयकों की राशि अंतरित न करें। साथ ही अपना पिन नंबर भी किसी के साथ साझा न करें।

कंपनी के संज्ञान में आया है कि सायबर जालसाजों द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को एसएमएस, व्हाट्सऐप मैसेज अथवा आई.व्ही.आर. तकनीक से फोन कॉल पर नंबर दबाने के लिये कहा जाता है। इसमें बिल भुगतान कराने के लिये भय बनाकर कि आपकी बिजली कुछ घंटों बाद काट दी जाएगी, इसके लिए बिल भुगतान करने के लिये विशेष नंबर दबाएं, मोबाइल नंबर विशेष अथवा अनजान लिंक/ऐप पर क्लिक कर या संपर्क कर बकाया राशि जमा कराएं। इस प्रकार के एसएमएस, व्हाट्सऐप मैसेज एवं आई.व्ही.आर. फोन कॉल फर्जी हैं। इन पर ध्यान नहीं दिया जाए। उपभोक्ताओं से अपील की गयी है इस प्रकार के फर्जी सायबर जालसाजों से सतर्क और सावधान रहें।

एम्स भोपाल में योग, ध्यान और रचनात्मक गतिविधियों से बच्चों को मिला स्वस्थ जीवन का संदेश

भोपाल ■ निसं

एम्स भोपाल निरंतर चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ स्वास्थ्य संवर्धन और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य कर रहा है। इसी क्रम में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में एम्स भोपाल के शरीर क्रिया विज्ञान (फिजियोलॉजी) विभाग द्वारा बच्चों के लिए विशेष योग एवं वेलनेस कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एम्स भोपाल के आयुष ब्लॉक में आयोजित किया गया, जिसमें संस्थान के संकाय सदस्यों,

कर्मचारियों एवं स्टाफ के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह कार्यशाला कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ प्रो. (डॉ.) माधवानन्द कर के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में आयोजित की गई, जिसका नेतृत्व फिजियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. वरुण मल्होत्रा ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को योग, ध्यान, भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक बनाना था। कार्यशाला का आयोजन 'योग फॉर वेलनेस, विजडम एंड वर्ल्ड पीस' तथा 'योग फॉर हेल्दी एजिंग' विषयों के अनुरूप किया गया। कार्यक्रम में एम्स भोपाल के उप निदेशक (प्रशासन) संदेश कुमार जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों के बीच जाकर उनसे संवाद किया, उनके अनुभव जाने तथा उन्हें योग और भारतीय संस्कारों के महत्व के बारे में प्रेरित किया। बच्चों की गतिविधियों और कलाकृतियों की सराहना करते हुए उन्होंने उन्हें जीवन में स्वस्थ आदतों को अपनाने का संदेश दिया। उनकी आत्मीय उपस्थिति ने बच्चों और आयोजन टीम का उत्साह बढ़ाया।

कार्यक्रम के सफल संचालन में आयुष विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयुष विभाग के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. दानिश जावेद ने आयोजन में सक्रिय सहयोग प्रदान किया, जबकि योग प्रशिक्षक विजयता जैन ने बच्चों को विभिन्न योगाभ्यासों और गतिविधियों में मार्गदर्शन दिया। फिजियोलॉजी विभाग की प्रभारी एवं विभागाध्यक्ष डॉ. रुचि सिंह ने आयोजन के समन्वय और संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

यह कार्यशाला योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इंडिया (वाईएसएस) की शिक्षाओं और मूल्यों के अनुरूप आयोजित की गई।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में होगा सामूहिक योग कार्यक्रम

भोपाल ■ निसं

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2026 को प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने इस संबंध में सभी कुलसचिवों, प्राचार्यों एवं संबंधित संस्थानों को निर्देश जारी किए हैं।

निर्देशों के अनुसार आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2026 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए निर्धारित गतिविधियों का पालन किया जाएगा। विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से कहा गया है कि वे योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्यक्रम की तैयारी के तहत 19 जून 2026 को विद्यार्थियों को प्रशिक्षित योग शिक्षकों द्वारा योगाभ्यास कराया जाएगा। सामूहिक योग कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को योग के अनुरूप आरामदायक वेशभूषा धारण करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

उच्च शिक्षा विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं क्षेत्रीय कार्यालयों को योग दिवस कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, 21 जून को आयोजित गतिविधियों की एकत्रित प्रतिवेदन रिपोर्ट 24 जून 2026 तक उच्च शिक्षा विभाग को भेजने के लिए कहा गया है। उच्च शिक्षा विभाग का उद्देश्य योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना, स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना तथा विद्यार्थियों में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है।

अनमोल वचन

दीपक के प्रकाश की तरह अच्छे काम की ख्याति भी चारों ओर फैलती है।
विलियम शेक्सपियर

आशा कभी आपको छोड़कर नहीं जाती है, आप इसे छोड़ते है।
जॉर्ज वीनवर्ग

सम्पादकीय

10 करोड़ गरीब महिलाओं पर कुठाराघात

मोदी सरकार की सबसे बड़ी उज्ज्वला योजना जिसका प्रचार-प्रसार देश और विदेश तक मोदी सरकार ने किया था अब इस योजना में सरकार लगातार कटौती करती चली जा रही है। इसको लेकर मोदी सरकार के प्रति एक नई अवधारणा बनना शुरू हो गई है, जिसमें यह कहा जा रहा है जिस योजना को सरकार अपनी सफलता के मानदंड में पिछले एक दशक से 10 करोड़ महिलाओं को सब्सिडी के गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की बात कर रही थी इस योजना में 1 वर्ष में पहले 12 सिलेंडर देने की व्यवस्था थी उसे घटाकर 9 किया गया फिर 6 किया गया और अब सरकार ने चार सिलेंडर देने का निर्णय किया है। उज्जवला योजना के तहत 10 करोड़ गरीब महिलाओं का पंजीयन है। 642 रुपए प्रति सिलेंडर में इन्हें 14 किलो का सिलेंडर मिल रहा था जो अब 12 से घटकर चार पर आ गया है। सरकार इसमें 25000 करोड़ रुपए की सब्सिडी को कम करने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समय-समय पर गरीब महिलाओं की आंखों में आंसू नहीं आएं इसके लिए उज्जवला योजना का प्रचार सारे देश में, हर चुनाव में करते हैं। महंगाई और बेरोजगारी के इस दौर में जब सरकार ने मनरेगा योजना को अभी बंद करके रखा है इसी बीच उज्ज्वला योजना के सिलेंडर घटा कर सबसे गरीब महिलाओं के ऊपर कुठाराघात किया है। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने इस पर तीव्र कटाक्ष करते हुए सरकार को निशाने पर लिया है। कांग्रेस का कहना है मोदी सरकार गरीबों का निवाला छिनती चली जा रही है। वहीं दूसरी तरफ वह पूंजीपतियों को लगातार राहत पहुंचा रही है। केंद्र सरकार ने कच्चे तेल, पेट्रोल-डीजल और एलपीजी में जो एक्साइज ड्यूटी घटाई है इसका लाभ कंपनियों को मिला है। उपभोक्ताओं से लगातार डीजल-पेट्रोल, एलपीजी के बड़े हुए दाम वसूल किये जा रहे हैं। अब तो हद हो गई है, पहले केंद्र सरकार ने मनरेगा को बंद किया, अब इसके बाद उज्ज्वला योजना के तहत जो एलपीजी सिलेंडर सब्सिडी के दाम पर 10 करोड़ गरीब महिलाओं को मिल रहे थे अब उन महिलाओं को आर्थिक संकट में इस सरकार ने डाल दिया है। कांग्रेस ने इसे बहुत बड़ा मुद्दा बना लिया है। सरकार की आर्थिक स्थिति को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। उसमें उज्ज्वला योजना के तहत यदि सरकार गरीब महिलाओं को नाराज कर सकती है तो यह भी कहा जा रहा है, सरकार की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। बीच में सोना बेचने की भी खबर आई थी। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई, लेकिन जिस तरह से सरकार की आर्थिक स्थिति को लेकर आए दिन नए-नए समाचार सुनने को मिल रहे हैं उसको देखते हुए अब सरकार के लिए चुनौतियां बढ़ती चली जा रही हैं। सरकार विभिन्न मामलों में जिस तरह से घिरी हुई है उसके बाद भी जब महंगाई, बेरोजगारी निरंतर बढ़ रही हो सरकार के खिलाफ आंदोलन हो रहे हों, ऐसे समय पर सरकार यदि इस तरह के निर्णय ले रही है तो इसका यही अर्थ निकाला जा रहा है कि भारत सरकार गहरे आर्थिक संकट में फस गई है। आयात लगातार बढ़ता चला जा रहा है। डॉलर और अन्य विदेशी मुद्रा की तुलना में भारतीय रुपए में लगातार गिरावट बनी हुई है। विदेशी मुद्रा भंडार में भी जबरदस्त दबाव है। किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं मिल पा रही है। खाद की सब्सिडी भी सरकार द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से कम की गई है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है, सरकार जिस तरह से निर्णय ले रही है उसको देखते हुए भविष्य में सरकार को कई बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। शेयर बाजार में भी लगातार गिरावट का दौर देखने को मिल रहा है। बैंकों का पैसा बड़े पैमाने पर शेयर बाजार में लगा हुआ है। म्युचुअल फंड ने भी कंपनियों में बड़ा निवेश करके रखा है। यहां पर भी बैंकों और वित्तीय संस्थानों को घाटा उठाना पड़ रहा है। उज्ज्वला योजना सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता वाली योजना थी। 10 करोड़ महिलाओं को नाराज करना सरकार के लिए आसान नहीं था लेकिन यदि ऐसा निर्णय हुआ है तो निश्चित रूप से सरकार के ऊपर भयंकर आर्थिक दबाव है। महंगाई और बेरोजगारी को देखते हुए इस तरह की स्थिति सभी की चिंता को बढ़ा रही है।

चिंतन-मनन

जीवन का बड़ा सबक

पं. रामनाथ एक छोटी-सी जगह गुरुकुल में छात्रों को पढ़ाते थे। कृष्णनगर के राजा शिवचंद्र को यह पता लगा तो उन्हें बहुत दुख हुआ कि ऐसा महान विद्वान भी गरीबी में रह रहा है। एक दिन वह स्वयं पंडितजी से मिलने उनकी कुटिया में जा पहुंचे और बोले-पंडित जी, मैं आपकी कुछ सहायता करना चाहता हूं। पं. रामनाथ ने कहा-राजन, भगवान की कृपा ने मेरे सारे अभाव मिटा दिए हैं। मुझे अब कोई आवश्यकता नहीं रही। राजा बोले-मैं घर खर्च के बारे में पूछ रहा हूं। हो सकता है उसमें कुछ परेशानी होती हो। उन्हें जवाब मिला-इस बारे में तो गृहस्वामिनी अधिक जानती हैं। आप उन्हीं से पूछ लें। यह सुनकर राजा गृहिणी के पास जा पहुंचे-माता, आपके घर के खर्च के लिए कोई कमी तो नहीं? गृहिणी का जवाब था- भला सर्व-समर्थ परमेश्वर के रहते उनके भक्तिं को क्या कमी रह सकती है। पहनने को कपड़े हैं। सोने को बिछौना है। पानी रखने के लिए मिट्टी का घड़ा है। भोजन की खातिर विद्यार्थी सीधा ले आते हैं। बाहर खड़ी चौलाई का साग हो जाता है। इससे अधिक की जरूरत भी क्या है? राजा श्रद्धावनत हो गए, फिर भी बोले-हम चाहते हैं कि आपको कुछ गांवों की जागीर प्रदान करें। इससे आपको भी अभाव नहीं रहेगा और गुरुकुल भी ठीक से चलता रहेगा। राजा की यह बात सुनकर वृद्ध गृहिणी मुस्कराई-देखिए राजन, इस संसार में परमात्मा ने हर मनुष्य को जीवन रूपी जागीर पहले से दे रखी है। जो इसे अच्छी तरह से संभालना सीख लेता है, उसे फिर किसी चीज का अभाव नहीं रह जाता। यह सुनकर राजा शिवचंद्र का मस्तक झुक गया। आज उन्हें एक बड़ा सबक मिल गया था।

नीतिगत गतिरोध से विकसित भारत तक

मोदी युग ने भारत को नए सिरे से परिभाषित किया

पीयूष गोयल

वर्ष 2014 के बाद से, भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। इसकी अर्थव्यवस्था कहीं अधिक मजबूत हुई है। बुनियादी ढांचा निश्चित रूप से बेहतर हुआ है। महिलाएं बेहद सशक्त हुई हैं। किसानों को बेहतर दाम मिल रहे हैं और गरीब अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित हुए हैं। इन तमाम बदलावों में एक ही बात साझा है: प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि और उनका नेतृत्व।

भारत के लोगों ने उनके दूरदर्शी एवं संवेदनशील नेतृत्व का भरपूर समर्थन किया है और उन्हें देश का सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाला निर्वाचित प्रधानमंत्री बनाया है। बीते 10 जून को उन्होंने राष्ट्र की सेवा में 4,399 दिन पूरे किए और अपनी पहली चुनावी जीत के बाद जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए आगे निकल गए। यह ऐतिहासिक उपलब्धि भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। देश के लोगों ने ऐसे समय में 2014 में मोदी सरकार को भारी बहुमत से सत्ता सौंपी, जब अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही थी और यूपीए सरकार के बदनाम कार्यकाल के दौरान नीतिगत गतिरोध, भ्रष्टाचार, घोटालों एवं विवादों को लेकर जनता में निराशा लगातार बढ़ रही थी।

संवेदनशील नेतृत्व - 2014 से देश निरंतर बदलाव की यात्रा पर है। मोदी सरकार ने 81 करोड़ से अधिक लोगों के लिए मुफ्त अनाज की व्यवस्था की, 58 करोड़ जन धन बैंक खातों के जरिए वित्तीय समावेशन को संभव बनाया और 16 करोड़ घरों तक नल के पानी का कनेक्शन पहुंचाया। दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना, 'आयुष्मान भारत' के जरिए 12 करोड़ परिवारों को 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की गारंटी मिल रही है।

कई युवा भारतीयों के लिए यह कल्पना करना मुश्किल हो सकता है कि मोदीजी द्वारा - पहले गुजरात के मुख्यमंत्री और बाद में प्रधानमंत्री के रूप में - लाए गए बड़े बदलावों से पहले जीवन कितना चुनौतीपूर्ण था। उनके निर्णायक नेतृत्व और नेक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण ने देश को 'विकसित भारत 2047' मिशन की दिशा में आगे बढ़ाया है। इस मिशन में भारत की विरासत पर गर्व और विकास का एक महत्वाकांक्षी एजेंडा शामिल है।

नारी शक्ति: प्रधानमंत्री के लिए महिलाएं केवल सहायता की लाभार्थी नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माता हैं। सबसे पहले उनकी बुनियादी जरूरतों पर ध्यान दिया गया: स्वच्छ भारत मिशन के तहत 12 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए। इससे उनकी सुरक्षा और सम्मान में वृद्धि हुई। वहीं, उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से अधिक मुफ्त एलपीजी कनेक्शन दिए गए। इससे महिलाओं को धुएं से भरी रसोई के खतरों से मुक्ति मिली।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की पहल ने बेटियों की शिक्षा एवं उनके कल्याण के महत्व को और ठोस बनाया है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के जरिए, प्रधानमंत्री ने महिलाओं के नेतृत्व में विकास को आगे बढ़ाने के लिए देश की विधायिकाओं में महिलाओं की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की है।

किसानों का कल्याण: किसानों का कल्याण प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों का एक मुख्य आधार रहा है। किसानों के योगदान को मान्यता देते हुए, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के जरिए उन्हें सीधे आय संबंधी सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत बांटे गए कुल 4.28 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि से लगभग 10 करोड़ किसान परिवारों को लाभ हुआ है।

सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में भी काफी बढ़ोतरी की है, जो अब उत्पादन लागत का कम से कम 1.5 गुना है। साथ ही, किफायती दरों पर फसलों के लिए पोषक तत्व उपलब्ध कराकर किसानों को वैश्विक स्तर पर उर्वरकों की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी से बचाया गया है।

युवाओं के लिए अवसर: युवा भारतीयों के लिए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से, 'मेक इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' जैसी प्रमुख पहलें शुरू की गई हैं। 'कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय' के रूप में एक समर्पित मंत्रालय के गठन से जहां युवाओं को आधुनिक अर्थव्यवस्था के अनुकूल कौशल से लैस करने में मदद मिली है, वहीं भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के क्षेत्र में उभरती हुई क्रांति का लाभ उठाने के लिए तैयार भी किया गया है।

'स्टार्टअप इंडिया' और नवाचार को दिए गए व्यापक समर्थन ने कई युवाओं को नौकरी खोजने वाला से हटकर नौकरी देने वाला बनने में मदद की है। इन पहलों ने उद्यमिता (एंटरप्रेन्योरशिप) की एक ऐसी नई लहर की नींव रखी है, जिसमें आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के मामले में अहम योगदान देने की क्षमता है।

अर्थव्यवस्था और जीवनयापन में सुगमता: वर्ष 2014 से पहले, भारत की गिनती दुनिया की 'फ्रैजाइल फाइव' (कमजोर पांच) अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में होती थी। निवेशकों का भरोसा भी लगातार कम हो रहा था। साहसिक सुधारों, निवेशकों के लिए अनुकूल नीतियों, वित्तीय अनुशासन और अपेक्षाकृत कम महंगाई के सहारे, भारत अब दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है और यह कारोबार व निवेश का एक आकर्षक स्थल बनता जा रहा है। भारत ने विभिन्न विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। इससे हमारे युवाओं, किसानों, छोटे व्यवसायों, कारीगरों और श्रमिकों के लिए वैश्विक स्तर पर नए अवसर खुले हैं। और ऐसा भारत के हितों से समझौता किए बिना किया गया है। यह यूपीए सरकार द्वारा किए गए कुछ लापरवाही भरे समझौतों से बिल्कुल अलग है।

सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और करों की कम दरों जैसे बड़े सुधारों के जरिए कारोबार जगत और मध्यम वर्ग का भरोसा भी बढ़ाया है। इंटरनेट की पैठ और डिजिटल भुगतान प्रणाली के तेज विस्तार के साथ मिलकर, 'डिजिटल इंडिया' पहल ने अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव डालने के साथ-साथ नागरिकों के रोजमर्रा के जीवन को भी आसान बनाया है।

कई पुराने एवं मामूली अपराधों को अपराध की श्रेणी से हटाने तथा अनुपालन के अनावश्यक बोझ को कम करने से कारोबार जगत को और भी अधिक लाभ हुआ है। मध्यम वर्ग को भी काफ़ी राहत मिली है और 12.75 लाख रुपये तक की सालाना आय को आयकर से छूट दे दी गई है।

आधुनिक बुनियादी ढांचा: मोदी सरकार देश के बुनियादी ढांचे में तेजी से बदलाव ला रही है। सक्रिय हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है। वर्ष 2014 में सक्रिय हवाई अड्डों की संख्या 74 थी और अब यह 160 से अधिक हो गई है।

बड़े पैमाने पर रेलवे के विद्युतीकरण, महत्वाकांक्षी बुलेट ट्रेन परियोजना और राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेसवे के तेज विस्तार ने देश के कई हिस्सों के बुनियादी ढांचे को दुनिया के बेहतरीन बुनियादी ढांचों की बराबरी में ला खड़ा किया है।

प्रधानमंत्री की इस ऐतिहासिक उपलब्धि का वास्तविक महत्व कार्यकाल के दिनों की गिनती में नहीं, बल्कि किए गए व्यापक बदलावों में निहित है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने गरीबों एवं किसानों के कल्याण, मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं और उभरते भारत की महत्वाकांक्षाओं को शासन के केन्द्र में रखा है। अब जबकि देश प्रगति के पथ पर अग्रसर है, 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण के नए संकल्प के साथ बदलाव की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी।

(लेखक केन्द्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं)

दवाओं पर महंगाई की मार बढ़ती कीमतों से मरीजों का बढ़ा आर्थिक बोझ

कांतिलाल मांडोत

भारत विश्व के प्रमुख दवा उत्पादक देशों में शामिल है, लेकिन दवा निर्माण में उपयोग होने वाले कई महत्वपूर्ण कच्चे पदार्थों और एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स की आपूर्ति अब भी बड़े पैमाने पर विदेशों से होती है। हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़े तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधाओं के कारण इन कच्चे पदार्थों की उपलब्धता प्रभावित हुई है। पेट्रोकेमिकल आधारित कई आवश्यक रसायनों की कीमतों में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। बेंजीन, टोल्यून और एथिलीन जैसे रसायन दवा उद्योग के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर अब आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र में इसका प्रभाव चिंताजनक रूप में सामने आया है। दवाओं के निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे माल की कीमतों में तेजी से वृद्धि, समुद्री भाड़े में बढ़ोतरी, पैकेजिंग सामग्री के महंगे होने और परिवहन लागत बढ़ने के कारण दवा कंपनियों ने कई आवश्यक दवाओं के दाम बढ़ा दिए हैं। बाजार में पहुंच रहे नए स्टॉक की दवाएं 8 से 17 प्रतिशत तक महंगी हो चुकी हैं। इसका सीधा असर उन लाखों मरीजों पर पड़ रहा है जो नियमित रूप से दवाओं पर निर्भर हैं।

इनका उपयोग पैरासिटामोल, पेनिसिलिन, एंटीबायोटिक्स और अन्य कई जीवनरक्षक दवाओं के निर्माण में किया जाता है। जब इनकी कीमत बढ़ती है तो उसका प्रभाव सीधे दवा उत्पादन लागत पर पड़ता है। दवा उद्योग केवल कच्चे रसायनों पर ही निर्भर नहीं होता बल्कि उसकी पैकेजिंग भी बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है। टैबलेट की स्ट्रिप, सिरप की बोतल, इंजेक्शन की शीशियां, सिरिंज और मेडिकल उपकरणों में प्लास्टिक तथा एल्युमीनियम का व्यापक उपयोग किया जाता है। इन दोनों सामग्रियों की कीमतों में हाल के समय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके कारण उत्पादन लागत बढ़ी है और कंपनियों को अपने उत्पादों के दाम बढ़ाने पड़े हैं। पैकेजिंग लागत में बढ़ोतरी का असर विशेष रूप से उन दवाओं पर अधिक दिखाई दे रहा है जिनका उपयोग बड़े पैमाने पर होता है।

समुद्री परिवहन की लागत में वृद्धि भी दवा उद्योग के लिए बड़ी समस्या बन गई है। अधिकांश कच्चा माल विदेशों से समुद्री मार्ग के जरिए भारत पहुंचता है। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण जहाजरानी कंपनियों ने भाड़ा बढ़ा दिया है। साथ ही बीमा और लॉजिस्टिक्स लागत में भी वृद्धि हुई है। इसका असर आयातित कच्चे माल की कीमतों पर पड़ा है। जब उत्पादन की लागत बढ़ती है तो अंततः उसका बोझ उपभोक्ताओं पर ही पड़ता है। यही कारण है कि दवाओं की नई खेप पहले की तुलना में अधिक कीमत पर बाजार में पहुंच रही है। विशेषज्ञों के अनुसार सबसे अधिक असर उन दवाओं पर दिखाई दे रहा है जिनका उपयोग रोजमर्रा के उपचार में किया जाता है। बुखार, दर्द, संक्रमण, एलर्जी और पेट संबंधी बीमारियों की दवाएं पहले की तुलना में महंगी हो गई हैं। पैरासिटामोल जैसे सामान्य उपयोग के साल्ट के कच्चे माल की कीमत में एक महीने के भीतर लगभग 47 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। दर्द निवारक दवाओं में उपयोग होने वाले डाइक्लोफेनाक और डाइक्लोफेनाक पोटेशियम की कीमतों में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। एंटीबायोटिक्स के क्षेत्र में अमॉक्सिसिलिन ट्राइहाइड्रेट और सिप्रोफ्लोक्सासिन जैसे प्रमुख साल्ट भी महंगे हो गए हैं। इससे संक्रमण संबंधी उपचार की लागत बढ़ने की आशंका है।

दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी का सबसे अधिक प्रभाव मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है। ऐसे परिवार जिनमें बुजुर्ग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग या अन्य दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित सदस्य हैं, उन्हें हर महीने दवाओं पर निश्चित राशि खर्च करनी पड़ती है। जब दवाओं की कीमतों में लगातार वृद्धि होती है तो घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव बनता है। कई बार मरीज आर्थिक कारणों से दवाओं की मात्रा कम कर देते हैं या उपचार बीच में ही छोड़ देते हैं, जिससे उनकी स्वास्थ्य स्थिति और गंभीर हो सकती है।

चिंता की बात यह भी है कि बड़ी दवा कंपनियां आमतौर पर तीन से छह महीने तक का कच्चा माल अपने पास संग्रहित रखती हैं, इसलिए उन पर तत्काल असर अपेक्षाकृत कम पड़ता है। लेकिन छोटी और मध्यम स्तर की दवा कंपनियां सीमित मात्रा में ही कच्चा माल खरीद पाती हैं। जब सप्लाई चेन प्रभावित होती है तो इन कंपनियों के उत्पादन पर सीधा असर पड़ता है। कई कंपनियां नए ऑर्डर लेने में भी हिचकिचा रही हैं। इससे बाजार में दवाओं की उपलब्धता और कीमत दोनों प्रभावित हो सकती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे माल की कीमतों और परिवहन लागत में इसी तरह बढ़ोतरी जारी रही तो आने वाले महीनों में दवाओं के थोक और खुदरा दामों में और वृद्धि देखने को मिल सकती है। इसका असर केवल सामान्य दवाओं तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि सर्जिकल सामग्री, मेडिकल उपकरण और अस्पतालों में उपयोग होने वाली अन्य आवश्यक वस्तुएं भी महंगी हो सकती हैं। इससे स्वास्थ्य सेवाओं की कुल लागत बढ़ेगी और आम नागरिकों को अधिक आर्थिक बोझ उठाना पड़ेगा। वर्तमान परिस्थितियां यह संकेत देती हैं कि दवा उद्योग को कच्चे माल के लिए आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में तेजी से काम करना होगा। देश में ही आवश्यक रसायनों और एपीआई के उत्पादन को बढ़ावा देकर भविष्य में ऐसी परिस्थितियों के प्रभाव को कम किया जा सकता है। साथ ही सरकार और उद्योग जगत को मिलकर ऐसी रणनीति तैयार करनी होगी जिससे आवश्यक दवाओं की कीमतें नियंत्रण में रहें और मरीजों को राहत मिल सके। स्वास्थ्य किसी भी समाज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। ऐसे में दवाओं की बढ़ती कीमतें केवल आर्थिक मुद्दा नहीं बल्कि सामाजिक चिंता का विषय भी हैं। यदि समय रहते इस दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले समय में लाखों मरीजों के लिए इलाज कराना और अधिक महंगा हो सकता है। इसलिए आवश्यक है कि दवा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाया जाए, घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन दिया जाए और मरीजों को सस्ती व सुलभ दवाएं उपलब्ध कराने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। तभी स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ते आर्थिक दबाव को कम किया जा सकेगा।

बेरोजगारों को ठग रहे हैं गिरोहबंद जालसाज

मनोज कुमार अग्रवाल

आजकल ठग बेरोजगार युवाओं को निशाना बनाने के लिए सोशल मीडिया, व्हाट्सएप और फर्जी वेबसाइटों का सहारा ले रहे हैं.एक ओर देश में बेरोजगारी की समस्या गंभीर होती जा रही है और केंद्र तथा राज्य सरकारों द्वारा रोजगार के नए अवसर सृजित करने के दावे खोखले सिद्ध हो रहे हैं। इसीलिए देश के विभिन्न राज्यों से युवा पलायन करके रोजगार की तलाश में दूसरे देशों को जा रहे हैं और जो विदेश जाने का जुगाड़ नहीं कर पाते उनमें से अनेक नौकरी दिलाने का लालच देकर ठगने वाले गिरोहों का शिकार बन रहे हैं। कई बार देश विदेश तक फैले जालसाजों के गिरोह भोले भाले युवाओं को रोजगार दिलाने का झांसा देकर विदेश भेज देते हैं वहां पहुंचने पर पता चलता है कि ठगे गए लेकिन समझौता करना पड़ता है और बेहद निम्न स्तरीय काम रोजगार कर विदेश से लौटने के लिए कई कई साल वहां फंसकर रह जाते हैं। ठगी के कुछ मुख्य प्रचलित तरीके पंजीकरण शुल्क नौकरी शुरू करने या इंटरव्यू के नाम पर एडवांस पैसों की मांग करना.फर्जी जॉइनिंग लेटर बड़ी कंपनियों या सरकारी विभागों के नकली सील-सिक्के वाले पत्र थमाना.वर्क फ्रॉम होम / पार्ट-टाइम टास्कघर बैठे लाइक करें या वीडियो देखें जैसे काम देकर शुरू में थोड़ा फायदा दिखाना और बाद में बड़ी रकम निवेश कराकर ठग लेना। आए दिन इस तरह की वारदातों की झड़ी लगी है युवाओं को रोजगार के नाम पर ठगी का शिकार बन जाने पर तमाम कैरियर चौपट हो जाता है परिवार की जमा पूंजी ठग लेकर रफूचककर हो जाते हैं इस तरह बेरोजगारों पर दोहरी मार पड़ जाती है। कुछ वारदातों से समझने का प्रयास करें। आपको बता दें कि 2 जनवरी को अनूपशहर (उत्तर प्रदेश) के एक युवक अंकित कुमार को गृह मंत्रालय में डाटा एंट्री आप्रेटर की नौकरी दिलाने का लालच देकर उससे 16 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में दिल्ली की एक महिला के विरुद्ध केस दर्ज किया गया। 1 मार्च को नोएडा (उत्तर प्रदेश) में विदेश में ऊंची सैलरी वाली नौकरी दिलवाने का लालच देकर 100 से अधिक लोगों से लगभग 70 लाख रुपयों की ठगी करने वाले 2 जालसाजों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। 13 मार्च को गुरुग्राम में वर्क इंडिया ऐप के जरिए शिस कार्पोरेशन नामक फर्जी कम्पनी बनाकर बेरोजगारों से ट्रेनिंग और वैरीफिकेशन के नाम पर पैसे ऐंठने वाले गिरोह के विरुद्ध एफ. आई.आर. दर्ज की गई। 30 मार्च को ठाणे (महाराष्ट्र) में एक बेरोजगार युवक को रूस में अच्छी नौकरी दिलवाने का लालच देकर उससे 2.92 लाख रुपए ठगने के आरोप में एक महिला सहित 3 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। 5 मई को रायपुर (छत्तीसगढ़) ग्रामीण पुलिस ने सरकारी विभागों में नौकरी दिलवाने के नाम पर 34 लोगों से करोड़ों रुपए की वसूली करने वाले एक शिक्षक और क्लर्क को गिरफ्तार किया।28 मई को जबलपुर (मध्य प्रदेश) में नौकरी लगवाने का लालच देकर एक युवक से 1.26 लाख रुपए की ठगी मारने का मामला सामने आया। आरोपी स्वयं को नेताओं का करीबी बताकर लोगों से रुपए वसूलता था।3 जून को खटीमा (उत्तराखंड) में एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दिलवाने का लालच देकर तथा उसे फर्जी नियुक्तिपत्र देकर उससे 21 लाख रुपए ठग लेने के आरोप में पुलिस ने केस दर्ज किया 4 जून को पुणे (महाराष्ट्र) के हिंजवाड़ी फेज-2 स्थित थिंक टैक्नोलॉजी इंडिया नाम की कम्पनी द्वारा सैंकड़ों इंजीनियरिंग ग्रैजुएट्स, फ्रैशर्स और इंटर्स को नौकरी, स्टाइपेंड व स्थायी रोजगार का सपना दिखाकर लाखों रुपए ठग लेने के आरोप में कम्पनी के सी.ई.ओ. हर्षल ठाकरे को गिरफ्तार किया गया जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।5 जून को नोएडा (उत्तर प्रदेश) में होटल मैनेजमैंट के छात्रों को विदेशी क्रूज पर नौकरी दिलाने का लालच देकर 52 लाख रुपयों की ठगी करने का भंडाफोड़ हुआ।

खास बात

झारखंड में देवरानी- जेठानी की लड़ाई

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कांग्रेस से नाराज है। उनकी नाराजी है ,कांग्रेस ने उनसे बिना पूछे प्रणव झा को राज्यसभा का उम्मीदवार घोषित कर दिया। जिसके कारण हेमंत सोरेन कांग्रेस से नाराज हो गए हैं। भारत में कहा जाता है, सास बहू और देवरानी जेठानी की कभी आपस में बन नहीं सकती है। यदि बन जाए तो वह सास बहू और देवरानी जेठानी नहीं हो सकते हैं। यही गठबंधन की राजनीति का सच है। सगी बहनें यदि देवरानी-जेठानी बन जाए, तो वह भी लड़ती हैं। फिर तो यह सत्ता की लड़ाई है।

सारी जिम्मेदारी राहुल की ?

विपक्ष के जितने भी नेता हैं. वह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह से डरते हैं? उनके खिलाफ बोलना या उनके खिलाफ आंदोलन करने में सारा विपक्ष डरता है.वहीं राहुल गांधी अकेले विपक्ष की लड़ाई लड़ रहे हैं. फिर भी इंडिया गठबंधन से जुड़े राजनेता उन्हें ही दोषी बताते है। सहयोगियों को वह कुछ ना बोले,उनसे कोई अपेक्षा भी ना रखें। इंडिया गठबंधन के दलों से वह अपना हिस्सा भी ना मांगे। इसके बाद भी इंडिया गठबंधन चलाने की सारी जिम्मेदारी उनकी है। भले कांग्रेस खत्म हो जाए। सारा विपक्ष भाजपा से लड़ने के स्थान पर राहुल गांधी से लड़ता है। जबकि उसकी लड़ाई भाजपा के साथ है।इसी को कहावत के रूप में कहा जाता है रांण रंडापा काट ले, जब रडुआ कटान दें।

गोरोंका टैक्स माफ, मोदी सरकार का आखिरी तीर ?

पिछले 12 सालों में सरकार जो कानून, जो नियम बना रही थी।उसमें गरीबों के लिए अलग नियम और पूंजीपति सेठों के लिए अलग नियम कानून बनाए जा रहे थे। जिसके कारण गरीब गरीब होता चला गया।अमीर अमीर होते चले गए। अब केंद्र की मोदी सरकार ने तर्कस के आखिरी तीर को चला दिया है। गोरे भारत में विदेशी मुद्रा में निवेश करगे, तो उनके ऊपर कोई टैक्स नहीं लगेगा। इस कानून को बनाकर सरकार ने अंग्रेजी शासन की याद दिला दी है। जिस रास्ते पर चलकर अंग्रेज राज कर रहे थे। उसी रास्ते पर अब मोदी सरकार चल पड़ी है।

सत्ता भोगने के लिए होती है, जिम्मेदारी के लिए नहीं ?

केंद्र में मोदी सरकार पिछले 12 वर्षों से है। यह सरकार जानती है,वह जिम्मेदारी लेने के लिए नहीं, सत्ता का सुख भोगने के लिए आई है। सत्ता में आने के पहले उसने इतनी त्याग तपस्या कर ली है। उसमें जिम्मेदारी का कोई स्थान नहीं है। सनातन धर्म में कहा गया है, कर्म का फल भोगना ही पड़ता है। मोदी सरकार सनातनियों की सरकार है। पिछले त्याग और तपस्या का फल सत्ता के रूप में मिला है। उसे भोगना ही कर्म का फल है। देवता भी यही करते थे, वर्तमान सत्ता भी यही कर रही है। विपक्ष इसको क्यों नहीं समझ रहा है।

राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, द्वितीय ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, एकादशी, गुरुवार, अश्वनी नक्षत्रे, सौभाग्य योगे, वल करणे, मेष की चंद्रमा, कमला एकादशी व्रत, मूल समाप्त रात्रि 2/48 सर्वार्थ सिद्ध योग तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ फलप्रद होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उद्यमी, कवि, लेखक, कम्प्यूटर इंजीनियर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, लेखापाल, प्रबंधक, कैशियर, लिपिक, मुनीम, हिसाब-किताब रखने वाला, अकाउंटेंट, मैनेजर होगा।

मेष राशि- तनाव, उदर विकार, मित्र लाभ, राज भय, पारिवारिक समस्या उभरेगी।

वृष राशि- अनुभव सुख, मंगल कार्य, विरोध, मामले मुकदमे में जीत की संभावना है।

मिथुन राशि- कुसंगत से हानि, विरोध, भय, यात्रा, सामाजिक कार्यों में सावधानी रखें।

कर्क राशि- भूमि लाभ, स्त्री सुख, हर्ष, प्रगति, स्थिति में सुधार, लाभ की गति बढ़ेगी।

सिंह राशि- तनाव, प्रवास से बचें, विरोध की चिन्ता, राज कार्यों में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या राशि- भूमि लाभ, स्त्री सुख, हर्ष, प्रगति की स्थिति में सुधार, लाभ होगा।

तुला राशि- प्रगति, वाहन का भय, भूमि लाभ, कलह, कुछ अच्छे कार्य भी होंगे।

वृश्चिक राशि- कार्य सिद्धी, विरोध, लाभ, कष्ट, हर्ष, व्यय होगा, व्यापार में सुधार होगा।

धनु राशि- यात्रा में हानि, मातृ-पितृ कष्ट, व्यय की कमी किन्तु कुछ व्यवसाय भी होगा।

मकर राशि- शुभ कार्य, वाहन आदि रोग, धार्मिक-कर्म, कुछ अच्छे कार्य हो सकते हैं।

कुंभ राशि- अभीष्ट सिद्धी, राज भय, कार्य में बाधा, राजकार्य में रुकावट होगी।

मीन राशि- अल्प हानि, रोग भय, सम्पर्क लाभ, राज कार्यों में विलम्ब तथा परेशानी होगी।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

11 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.35 बजे से
चंद्र	मेष में	कर्क	07.48 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.04 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.16 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.27 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक	16.42 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.58 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.03 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.49 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मीन	00.22 बजे से
		मेष	01.53 बजे से
		वृष	03.33 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 162 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण
तिथि एकादशी 22.37 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 08.17 बजे को समाप्त।
योग शोभन 01.00 बजे रात्र को समाप्त।
करण बव 11.53 बजे तदनन्तर बालव 22.37 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 04'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872737
जूलियन दिन 2461202.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज **तारीख** 25
विशेष कमला एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से 07.22	बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11	बजे तक
रोग	07.22 से 08.51	बजे तक	चर	07.11 से 08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19	बजे तक	रोग	08.43 से 10.15	बजे तक
चर	10.19 से 11.47	बजे तक	काल	10.15 से 11.47	बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15	बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19	बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51	बजे तक
काल	02.43 से 04.11	बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23	बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40	बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

पीएम मोदी के 12 वर्ष पूरे होने पर दरगाह में चढ़ाई चादर

अजमेर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने बुधवार को अजमेर स्थित अजमेर शरीफ दरगाह में चादर पेश कर विशेष दुआ की। दरगाह पहुंचे लोगों ने पीएम मोदी की दीर्घायु के साथ ही देश की खुशहाली की दुआ मांगी। दरगाह में चादर चढ़ाने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, लंबी आयु और देश में अमन-चेन, शांति, भाईचारे और समृद्धि के लिए प्रार्थना की गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दरगाह के गद्दीनशीन सैयद अफशान चिश्ती ने प्रतिनिधिमंडल को जियारत कराई और दस्तारबंदी के बाद तबरूक भेंट किया। कार्यक्रम में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद मेवाती सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संगठन के नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है और इसी क्रम में देश की उन्नति एवं सामाजिक सौहार्द के लिए दुआ की गई।

भारत की सामरिक चेतावनी

पीओके में बवाल के बीच सेनाध्यक्ष द्विवेदी पहुंचे उत्तरी कमान

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में खराब हुए हालात, पाकिस्तानी फौज की बर्बर कार्रवाई और सुलगते जनाक्रोश के बीच भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी का उत्तरी कमान मुख्यालय पहुंचना महत्वपूर्ण रणनीतिक संकेत बताया जा रहा है। यह दौरा तब हुआ है, जब पीओके में लोगों पर गोलियां चल रही हैं, जबकि भारतीय सेना अपनी तैयारियों को धार दे रही है।

भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल द्विवेदी ने उधमपुर में मौजूद उत्तरी कमान मुख्यालय में अभियानगत तैयारियों, क्षमता विकास और आधुनिकीकरण अभियानों की गहन समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों के साथ प्रत्यक्ष और डिजिटल माध्यम से चर्चा कर बहुआयामी सैन्य अभियानों,नई तकनीकों के इस्तेमाल और बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया। जनरल द्विवेदी ने कहा कि भविष्य की चुनौतियां पारंपरिक नहीं होंगी, इसलिए भारतीय सेना को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम और लचीला बनाना जरुरी है। उन्होंने नवाचार और आधुनिक युद्ध प्रणाली अपनाने पर विशेष जोर दिया। भारतीय सेना की सक्रियता तब सामने आई है जब पीओके में स्थिति विस्फोटक बनी हुई है। खुफिया दस्तावेजों के अनुसार,

5 से 9 जून के बीच पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा एजेंसियों ने नागरिकों के खिलाफ सुनियोजित हिंसा की। बारमंग पुल गोलीकांड के बाद, आर्थिक सुधारों की मांग कर रही संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) को आतंकवाद विरोधी कानूनों के तहत प्रतिबंधित किया गया। जेएएसी नेता शहजैब हबीब की हत्या ने लोगों के गुस्से को और भड़का दिया।

आधिकारिक तौर पर 11 मौतें बताई जा रही हैं, जबकि खुफिया रिपोर्टों में 19 बच्चों और सात गर्भवती महिलाओं सहित अधिक मौतों का दावा किया गया है। आरोप है कि पाकिस्तान ने मुख्य भूमि से लगभग चौदह हजार अतिरिक्त सैनिक पीओके में उतारे हैं। सबसे गंभीर आरोप यह है कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने निहत्थे शोक जुलूसों और आम नागरिकों के काफिलों पर सीधे गोलियां चलाईं। पूरे इलाके में संचार सेवाएं, इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क ठप किए गए, जिससे पूर्ण बंद का माहौल बन गया। मीरपुर डिवीजन, खासकर भीमबर और कोटली, में सबसे ज्यादा तनाव देखा गया, जहां से लोग मुजफ्फराबाद मार्च के लिए निकले थे। कायदे आजम स्टेडियम के आसपास भारी भीड़ जमा हुई, जिसके बाद प्रदर्शन और हड़ताल तेज हो गई। पीओके प्रशासन ने जेएएसी के दो नेताओं के खिलाफ राजद्रोह की कार्रवाई शुरू कर दी है, जिससे जन आक्रोश और बढ़ गया है।

पुलिस कार्रवाई के विरोध में शराब ठेकेदारों का प्रदर्शन

जोधपुर। शराब दुकानों पर पुलिस की लगातार कार्रवाई के विरोध में बुधवार को जोधपुर के शराब ठेकेदारों ने अनोखा प्रदर्शन किया। ठेकेदार दुकानों की चाबियां लेकर पुलिस कमिश्नरेट पहुंचे और पुलिस कार्रवाई के चलते कारोबार चलाने में असमर्थता जताई। हालांकि पुलिस कमिश्नर के मौजूद नहीं होने पर वे अपनी मांग लेकर कलेक्ट्रेट पहुंच गए। जोधपुर लिकर एसोसिएशन के अध्यक्ष मुकेश चौधरी ने आरोप लगाया कि पुलिस वैध शराब दुकानों को निशाना बना रही है, जबकि शहर में अवैध शराब और अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही। उन्होंने कहा कि पुलिस ग्राहकों को पकड़कर ले जाती है, उनके साथ दुर्व्यवहार करती है और दुकानों के बाहर खड़े वाहनों के चालान काटे जाते हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एसोसिएशन अध्यक्ष चौधरी ने कहा, सरकार द्वारा निर्धारित बिक्री लक्ष्य पूरे नहीं होने पर ठेकेदारों पर 150 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया जाता है। उन्होंने दावा किया कि कमिश्नरेट क्षेत्र की 60 से 70 प्रतिशत शराब दुकानों पर कार्रवाई हो चुकी है, जिससे कारोबार प्रभावित हो रहा है। ठेकेदारों ने प्रशासन से इस मुद्दे पर हस्तक्षेप की मांग की है।

सपना चौधरी ने पति वीर साहू पर लगाया घरेलू हिंसा का आरोप

गुरुग्राम। मशहूर हरियाणवी डांसर और पूर्व बिग बॉस कंटेस्टेंट सपना चौधरी ने अपने पति वीर साहू (यशवीर साहू) के खिलाफ शारीरिक मारपीट और उत्पीड़न का आरोप लगाकर घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया है। आरोपों की गंभीरता को देखकर दिल्ली की द्वारका महिला कोर्ट ने एक सख्त अंतरिम आदेश पारित किया है, इसके तहत वीर साहू को अगली सुनवाई तक सपना चौधरी से संपर्क करने या उनके पास जाने पर पूरी तरह रोक लगाई गई है। सपना चौधरी ने अपनी याचिका में कथित उत्पीड़न के सबूत के तौर पर मेडिकल रिपोर्ट, चोटों की तस्वीरें और ऑडियो रिकॉर्डिंग्स पेश की हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पति द्वारा उनके साथ कई बार गंभीर मारपीट और शारीरिक हिंसा की गई। सपना ने दावा किया कि वीर साहू अक्सर उनके प्रोफेशनल इवेंट्स पर आकर हंगामा करते थे ताकि सार्वजनिक रूप से उनकी छवि को नुकसान पहुंच सके। लगातार हो रहे उत्पीड़न के कारण, सपना अपना ससुराल छोड़ने पर मजबूर हुई और फिलहाल अपने दो नाबालिग बच्चों के साथ अलग रह रही हैं। सपना चौधरी की सुरक्षा को ध्यान में रखकर अदालत ने वीर साहू को शारीरिक, टेलीफोनिक या डिजिटल—किसी भी माध्यम से सपना से संपर्क करने पर सख्त पाबंदी लगा दी है। कोर्ट ने साहू को सपना के निवास स्थान, उनके कार्यस्थल या उनकी फिल्म के प्रीमियर से जुड़े किसी भी स्थान के आसपास जाने से भी रोक दिया है।

अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो बनी जनजीवन की रफ्तार, 13.81 करोड़ यात्रियों ने किया सफर

दैनिक यात्री संख्या 1.6 लाख के करीब पहुंची, सुरक्षित और किफायती परिवहन का पसंदीदा माध्यम

फेज-3, गिफ्ट सिटी और एयरपोर्ट कनेक्टिविटी से मिलेगा नया विस्तार, गुजरात के शहरी विकास को मिलेगी और गति

अहमदाबाद ■ एजेंसी

किसी भी शहर की प्रगति का प्रमुख आधार उसकी कनेक्टिविटी और परिवहन व्यवस्था होती है। एक आधुनिक एवं एकीकृत परिवहन नेटवर्क विकास, रोजगार, पर्यटन तथा नागरिकों के जीवन स्तर को सीधे प्रभावित करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश में कनेक्टिविटी और परिवहन क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने राज्य में विश्वस्तरीय मेट्रो नेटवर्क की परिकल्पना की थी, जिसका उद्देश्य ट्रैफिक दबाव कम करना, शहरों के बीच बेहतर संपर्क स्थापित करना और सार्वजनिक परिवहन को अधिक प्रभावी बनाना था।

इसी दूरदृष्टि का परिणाम है कि आज अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो तेज, सुरक्षित और विश्वसनीय सार्वजनिक परिवहन का सशक्त उदाहरण बन चुकी है। अहमदाबाद मेट्रो रेल परियोजना के फेज-1 और फेज-2 के सफल क्रियान्वयन के बाद 68.28 किलोमीटर लंबे नेटवर्क और 54 स्टेशनों के साथ यह सेवा लाखों नागरिकों के दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गई है। एएमसी, जीएमसी, एएमटीएस, बीआरटीएस और रेलवे जैसी संस्थाओं के साथ बेहतर समन्वय के माध्यम से यात्रियों को अंतिम पड़ाव तक कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जा रही है। वर्तमान में 200 से अधिक बसें मेट्रो स्टेशनों से होकर गुजरती हैं।

मेट्रो को मिला जनता का भरोसा: गुजरात सरकार के 'ईज ऑफ लिविंग' के विजन को साकार करते हुए अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो नागरिकों का समय बचाने और यात्रा को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वर्ष 2023 में जहां प्रतिदिन औसतन 69 हजार यात्रियों ने मेट्रो सेवा का उपयोग किया था, वहीं यह संख्या 2024 में बढ़कर 1.01 लाख और 2025 में 1.33 लाख तक पहुंच गई। मई 2026 तक औसत दैनिक यात्रियों की संख्या 1.53 लाख दर्ज की गई है। इससे स्पष्ट है कि मेट्रो अब केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि तेज, किफायती और भरोसेमंद यात्रा का पसंदीदा विकल्प बन चुकी है।

अक्टूबर 2022 से मई 2026 तक 13.81 करोड़ यात्रियों ने किया सफर: अक्टूबर 2022 में मेट्रो नेटवर्क के विस्तार के बाद से मई 2026 तक कुल 13.81 करोड़ यात्रियों ने अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो में यात्रा की है। हर महीने लाखों विद्यार्थी, कर्मचारी और पर्यटक अपनी दैनिक आवाजाही के लिए मेट्रो को प्राथमिकता दे रहे हैं। यह आंकड़ा न केवल मेट्रो की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है, बल्कि सार्वजनिक परिवहन के प्रति लोगों के बढ़ते विश्वास का भी प्रमाण है।

बड़े आयोजनों में मेट्रो बनी पहली पसंद: अहमदाबाद स्थित नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में आयोजित आईपीएल मुकाबलों, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों तथा अन्य बड़े आयोजनों के दौरान भी मेट्रो यात्रियों की पहली पसंद बनकर उभरी। 30 अप्रैल 2026 को आयोजित आईपीएल मैच के दौरान 2.26 लाख से अधिक यात्रियों ने मेट्रो सेवा का उपयोग किया। वहीं 21 मई 2026 के मैच में 2.22 लाख तथा 18 फरवरी 2026 को आयोजित विश्व कप मैच के दौरान 2.21 लाख से अधिक यात्रियों ने मेट्रो से सफर किया। इसके अलावा 25 और 26 जनवरी 2025 को आयोजित कोल्डप्ले के कॉन्सर्ट के दौरान 4.11 लाख से अधिक यात्रियों ने मेट्रो सेवा का लाभ उठाया।

शरद पवार का भाजपा पर हमला

नेहरू के त्याग से नहीं हो सकती मोदी की तुलना

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जवाहरलाल नेहरू से तुलना करने पर कड़ी आपत्ति जाहिर की। राकांपा के 27वें स्थापना दिवस पर पवार ने कहा कि नेहरू ने स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र निर्माण में जो योगदान दिया, उस योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि भले ही नरेंद्र मोदी सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्रियों में से एक बन गए हों और उनकी ऐसी छवि गढ़ी गई हो कि उनके जैसा कोई नहीं, लेकिन नेहरू ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में आजादी की लड़ाई के दौरान कई साल जेल में बिताए थे।

पवार ने महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता गिरीश महाजन के विवादित बयान की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने इंदिरा और राजीव गांधी पर सिखों पर अत्याचार करने का आरोप लगाया था। पूर्व केंद्रीय मंत्री पवार ने कहा कि ऐसा बयान स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने ऑपरेशन ब्लू स्टार को इंदिरा गांधी का एक बलिदान बताया और कहा कि सिखों ने देश की सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा के लिए सीमाओं पर महत्वपूर्ण कार्य किया है। पवार ने कहा कि इंदिरा गांधी ने कभी देश की प्रतिष्ठा और सुरक्षा से समझौता नहीं किया। बीजेपी नेता महाजन ने ऑपरेशन ब्लू स्टार को काला दिवस करार दिया था और 1984 की सैन्य कार्रवाई की तुलना अफगान शासक अहमद शाह अब्दाली के हमले से करके राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया था। इस बयान पर विपक्षी दलों ने महाजन को पद से हटाने की मांग की है।

महाराष्ट्र में बम की धमकी

खालिस्तान के नाम पर आरएसएस, सीएम आफिस टारगेट पर

मुंबई ■ निसं

महाराष्ट्र में राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ (आरएसएस) मुख्यालय, मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) और मुंबई-पुणे के मेयर कार्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिले। खालिस्तान नेशनल आर्मी बताने वाले समूह द्वारा भेजे गए इन ईमेलों ने राज्य भर में हड़कंप मचा दिया और जांच एजेंसियों को सतर्क किया। धमकियों के बाद कई इमारतों को एहतियातन खाली कराया गया और सुरक्षा एजेंसियों ने गहन तलाशी अभियान चलाया, हालांकि कहीं कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

ईमेल में नागपुर में मौजूद संघ मुख्यालय, मुंबई में मुख्यमंत्री कार्यालय, बीएसई भवन और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के दफ्तरों के साथ-साथ पुणे के मेयर कार्यालय और नगर निगम भवन को भी निशाना बनाने की बात कही गई थी। सूचना मिलते ही, बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीडीएस) को इन सभी संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया गया। इमारतों को खाली कराकर सघन तलाशी ली गई, लेकिन पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को कहीं भी कोई विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि ये सभी धमकियाँ फर्जी निकलीं।

इन धमकी भरे ईमेलों में खालिस्तान का जिक्र कर 1984 के ऑपरेशन ब्लूस्टार और ऑपरेशन वुडरोज का समर्थन करने के आरोप में आरएसएस से बदला लेने तथा भाजपा व आरएसएस का अंत करने जैसी भड़काऊ बातें लिखी गई थीं। इन ईमेलों की सामग्री और स्रोत की पहचान करने के लिए सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय रूप से जांच कर रही हैं। इस बीच, मुंबई और पुणे के नागरिक मुख्यालयों व मेयर कार्यालयों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, और पुणे नगर निगम परिसर में अगले आदेश तक आम लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है।

टीएमसी नेता को जनता ने कराई उठक-बैठक, माफी मंगवाई

हुगली ■ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को लगातार कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। टीएमसी पार्टी न सिर्फ आंतरिक कलह और टूट के दौर से गुजर रही है, बल्कि उसके नेताओं को भी जनता के तीखे गुस्से का सामना करना पड़ रहा है। हुगली जिले में घटना सामने आई है, जहां स्थानीय लोगों ने एक टीएमसी नेता को कान पकड़वाकर उठक-बैठक करवाकर सार्वजनिक रूप से माफी मंगवाई। यह मामला हुगली के हरिपाल ब्लॉक के जेजुर इलाके का है, जहां तृणमूल कांग्रेस के लोकल नेता श्रीकांत घोष को जनता के आक्रोश का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, लंबे समय तक क्षेत्र से दूर रहने के बाद, जब श्रीकांत घोष जेजुर बाजार क्षेत्र में दिखाई दिए, तब कुछ लोगों ने टीएमसी नेता को घेर लिया। श्रीकांत हरिपाल ब्लॉक तृणमूल शिक्षा सेल के अध्यक्ष और जेजुर पंचायत क्षेत्र के नेता हैं। लोगों का आरोप है कि विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक और धमकी भरी टिप्पणियां की थीं। उन्हीं पुरानी टिप्पणियों का हवाला देकर उनसे सरेआम माफी मांगवाई गई और कान पकड़कर उठक-बैठक भी कराई।

लोकल भाजपा नेताओं ने लोगों के दबे हुए गुस्से का परिणाम बताया है। उनका आरोप है कि पिछले वर्षों में राजनीतिक विरोधियों को धमकाने और झूठे मामलों में फंसाने जैसी घटनाएं हुई थीं, जिसके कारण जनता में गहरी नाराजगी थी। यह घटना तब समय में सामने आई है जब पश्चिम बंगाल में राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं और विभिन्न स्तरों पर नेताओं को जनता के सीधे सवालों और विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

साइबर अपराधियों के बैंक खाता गिरोह का भंडाफोड़

रु. 43.93 करोड़ से अधिक के संदिग्ध लेन-देन का खुलासा

म्यूल हंट 2.0 अभियान के तहत कार्रवाई, चार आरोपी गिरफ्तार, चार फरार, देशभर के साइबर ठगी मामलों से जुड़े 105 बैंक खाते मिले

कच्छ ■ एजेंसी

गुजरात सरकार द्वारा साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने तथा किराये पर बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले अवैध नेटवर्क को ध्वस्त करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान 'म्यूल हंट 2.0' के तहत पूर्व कच्छ जिले के गांधीधाम में बड़ी कार्रवाई की गई है। साइबर अपराध पुलिस ने म्यूल खाता धारकों, बिचौलियों तथा साइबर अपराध से जुड़े तत्वों के विरुद्ध सघन अभियान चलाकर एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है।

पुलिस को प्राप्त सूचना के आधार पर जांच में सामने आया कि कुछ लोग अपने बिचौलियों के माध्यम से गरीब, जरूरतमंद और मजदूर वर्ग के लोगों को धन का लालच देकर उनके दस्तावेज हासिल करते थे। इन दस्तावेजों के आधार पर विभिन्न बैंकों में बचत खाते तथा व्यक्तिगत एवं प्रतिष्ठानों के नाम पर चालू खाते खुलवाए जाते थे। बाद में इन खातों का उपयोग साइबर अपराधियों तक पहुंचाने और अवैध धन के लेन-देन के लिए किया जाता था।

मामले में दर्ज पहली शिकायत की जांच के दौरान पता चला कि आरोपी गांधीधाम और आसपास के क्षेत्रों में कमीशन के बदले बैंक खाते किराये पर उपलब्ध कराने का संगठित नेटवर्क चला रहे थे। जांच में अब तक कुल 105 बैंक खातों का पता चला है, जिनमें 43 करोड़ 93 लाख 80 हजार 113 रुपये का लेन-देन हुआ। यह राशि साइबर ठगी और ऑनलाइन जुए जैसी अवैध गतिविधियों से प्राप्त धन बताई जा रही है। भारत सरकार के समन्वय पोर्टल पर इन खातों से संबंधित 90 से अधिक शिकायतें दर्ज हैं। इनमें ऑनलाइन निवेश ठगी, कॉलर पहचान ठगी, व्यापार निवेश ठगी, अंशकालिक रोजगार ठगी, नकली आवेदन ठगी, संदेश के माध्यम से हानिकारक संचिका भेजकर दूरभाष यंत्र को हैक करने की ठगी, ऑनलाइन खरीद-बिक्री मंच से जुड़ी ठगी, नकली वस्त्र विक्रय जालस्थल ठगी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निवेश ठगी तथा बिना एकमुश्त गोपनीय संख्या के हुई ठगी।

देशभर में बिगड़ा मौसम

आंधी, बारिश, भूस्खलन और रेत के बवंडर का कहर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मॉनसून की दस्तक के साथ ही देश के विभिन्न हिस्सों में मौसम का मिजाज बिगड़ने लगा है। उत्तर प्रदेश और बिहार में तेज आंधी और बारिश ने व्यापक प्रभाव डाला, वहीं नवी मुंबई में हुए भूस्खलन में पांच गाड़ियां मलबे में दब गईं। राजस्थान में रेत का बवंडर उठा, जबकि दिल्ली सहित कई जगहों पर तेज हवाएं चलीं।

जहां बिहार के 10 जिलों में आंधी-बारिश हुई, जहां बेगूसराय में एक ऑटो पर पोल गिर गया। उत्तर प्रदेश के इटावा में 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी के साथ बारिश से 100 से अधिक पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए। महाराष्ट्र के नवी मुंबई के पवने एमआईडीसी इलाके में भारी बारिश के कारण पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा ढहने से ये वाहन क्षतिग्रस्त हुए। राजस्थान के अलवर में रेत का बवंडर उठा, और दिल्ली के पालम में 111 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी दर्ज की गई।

केरल में मानसून के प्रवेश के छह दिन बाद अब यह पूर्वोत्तर के सभी राज्यों सहित कुल 16 राज्यों में पहुंच चुका है, जिसमें मिजोरम, मेघालय, सिक्किम और पश्चिम बंगाल भी शामिल हैं। गुजरात को छोड़कर अन्य सभी राज्यों में प्री-मॉनसून का असर है, हालांकि मध्य प्रदेश के 26 शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है।

मौसम विभाग ने अगले दो दिनों (11-12 जून) के लिए उत्तर भारत में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 50-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश के साथ ओले गिरने की आशंका है। बिहार, झारखंड, ओडिशा और मध्य प्रदेश में भी आंधी-बारिश व कुछ स्थानों पर ओले पड़ सकते हैं। केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु सहित पूर्वोत्तर के राज्यों में भी बारिश जारी रहेगी। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के कुछ इलाकों में अभी भी लू की स्थिति है, जिसके बाद तापमान में कमी आने की उम्मीद है।

केंद्रीय मंत्री मंडाविया ने हार्टफुलनेस के मार्गदर्शक दाजी द्वारा

लिखित नई पुस्तक 'फाइव प्रेस्क्रिप्शन्स फ्रॉम द अष्टावक्र महागीता' का विमोचन किया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने हार्टफुलनेस के वैश्विक मार्गदर्शक दाजी द्वारा लिखित बहुप्रतीक्षित नई पुस्तक, 'फाइव प्रेस्क्रिप्शन्स फ्रॉम द अष्टावक्र महागीता: एंशिएंट विजडम फॉर द मॉडर्न हार्ट' (अष्टावक्र महागीता से पाँच नुस्खे: आधुनिक हृदय के लिए प्राचीन ज्ञान) का अनावरण किया।

इस उच्च-स्तरीय विमोचन कार्यक्रम में प्रशासनिक नेतृत्व और गहन आध्यात्मिक ज्ञान के अनूठे समन्वय को जानने-समझने के लिए नीति निर्माता, आध्यात्मिक जिज्ञासु, शिक्षाविद और वैचारिक नेता उपस्थित थे।

माननीय केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया जी ने कहा, 'हार्टफुलनेस एक ऐसा विज्ञान है जो हमें भीतर से जुड़ने और भीतर की शक्ति को समझने में मदद करता है। जब हम ज्ञान पर महारत हासिल करने का प्रयास करते हैं, तो हम इसे दूसरों में प्रतिबिंबित करते हैं, ठीक इसी तरह दाजी अपने गुरु से मिले ज्ञान के प्रकाश को फैला रहे हैं। यह हमारे देश का वह आध्यात्मिक ज्ञान है जो युगों-युगों से चला आ रहा है। जब हम वेदों को नहीं समझ सके, तो हमारे ऋषियों ने हमें प्रवर्तिकाएँ दीं और उसके बाद पुराण दिए। भाषाएँ बदलीं लेकिन ज्ञान कायम रहा। वर्तमान समय में दाजी हमें आध्यात्मिकता से जोड़ रहे हैं।'

हार्टफुलनेस के मार्गदर्शक और श्री राम चंद्र मिशन के अध्यक्ष पूज्य दाजी ने कहा, 'भारत का युवा जागृत हो और देश को अगले स्तर पर ले जाए। मैं मंडाविया जी का आभारी हूँ कि वे आज यहाँ आए। वे हमेशा हमारे अभियान के समर्थक रहे हैं। उन्होंने हमें उच्च सम्मान दिया है और 2036 ओलंपिक के लिए कान्हा शांति वनम में एक फुटबॉल स्टेडियम आवंटित किया है... हम अपने लोगों और अपने नेताओं को निराश नहीं करेंगे। श्री राम चंद्र मिशन के सदस्य भारत माता और संपूर्ण विश्व के उत्थान के लिए सब कुछ करेंगे।' पुस्तक पर अपने विचार साझा करते हुए पूज्य दाजी ने आगे कहा, 'जिस क्षण हमने इस पुस्तक को लिखना शुरू किया, जागरूकता बढ़ती गई और पुस्तक तैयार हो गई।

शाम 6 बजे टॉवर चौक बम से उड़ा दूंगा, पाकिस्तान से आया धमकी भरा फोन

उज्जैन। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में उस समय हड़कंप मच गया जब शहर की सबसे व्यस्त जगह टावर चौक को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सबसे ज्यादा हैरानी की बात तो ये है कि ये धमकी पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान से आई थी। इस धमकी भरे मैसेज में कहा गया था कि शाम के 6 बजते ही उज्जैन के टॉवर चौक को बम से उड़ा दूंगा।

एक स्थानीय फोटोग्राफर अजय पटेल के मोबाइल फोन पर पाकिस्तानी नंबर से शाम करीब 4.30 बजे धमकी भरा संदेश भेजा गया। इस मैसेज में लिखा हुआ था कि शाम 6 बजे टॉवर चौक बम से उड़ा दूंगा। नाम लिखा था मोहम्मद मुश्ताक, जो खुद को देश का एजेंट बता रहा था। अजय पटेल ने घबराने की जगह फौरन इस घटना की सूचना माधव नगर पुलिस को दी।

सूचना पाते ही पुलिस प्रशासन पूरी तरह से एक्टिव मोड में आ गया और अजय के फोन को कब्जे में लेकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी। एक तरफ टॉवर चौक पर बम स्क्वॉड का सर्च ऑपरेशन शुरू हो गया, दूसरी तरफ कॉलर से इनपुट निकालने की कोशिश के साथ ही शहर के चप्पे-चप्पे पर पुलिस की नजर रही। देर रात जब पूरा पुलिस महकमा इस धमकी भरे कॉल की पड़ताल में जुटा हुआ था तभी देर रात उसी नंबर पर आखिरी मैसेज आया-मैसेज में लिखा हुआ था।

महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक के ठिकानों पर छापा

विभाग के डिप्टी डायरेक्टर के पास आय से 241 प्रतिशत अधिक संपत्ति का खुलासा

इंदौर ■ निसं

लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार सुबह महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक लक्ष्मी नारायण कंडवाल के इंदौर स्थित विभिन्न ठिकानों पर एक साथ छापामार कार्रवाई की. प्रारंभिक जांच में उनके पास आय से 241 प्रतिशत अधिक संपत्ति होने के प्रमाण मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। लोकायुक्त ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विशेष न्यायालय से तलाशी वारंट प्राप्त किया था।

लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक राजेश सहाय को मिली गोपनीय सूचना के आधार पर कंडवाल की आय और संपत्तियों की जांच कराई गई थी। सत्यापन के दौरान प्रथम दृष्टया यह सामने आया कि उन्होंने अपनी ज्ञात आय के स्रोतों की तुलना में कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की है। इसके बाद बुधवार सुबह करीब 6 से 7 बजे के बीच लोकायुक्त की अलग-अलग टीमों ने उनके आवास, जिम सेंटर

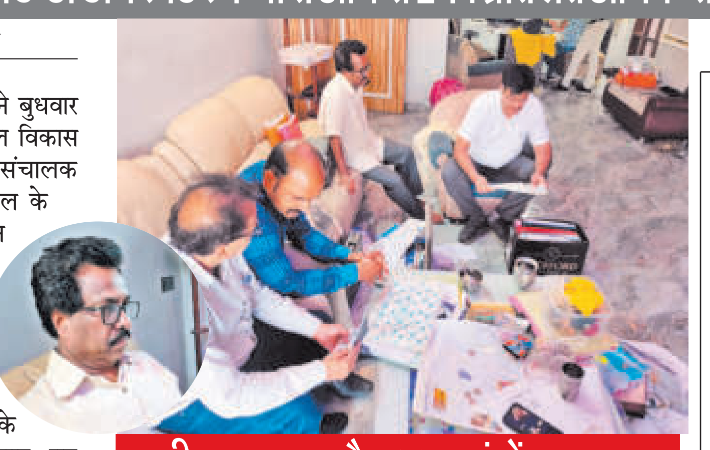

आलीशान भवन और 11 भूखंडों का खुलासा

जांच में सामने आया है कि कंडवाल के पास इंदौर की स्कीम नंबर-103 में 252 वर्गमीटर के व्यावसायिक भूखंड पर लगभग 13,500 वर्गफीट का बहुमंजिला निर्माण है, जिसमें व्यावसायिक परिसर के साथ आलीशान आवास भी शामिल है। इसके अलावा स्कीम नंबर-140 में लगभग 1000-1000 वर्गफीट के दो प्लॉट भी मिले हैं। जांच एजेंसियों को पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र से लगे तारपुरा, बेकलाय और बनेड़िया सहित ग्रामीण क्षेत्रों में 11 मूल्यवान भूखंडों की जानकारी भी मिली है। जिन प्रतिष्ठानों पर छापा मारा उनमें कंडवाल से जुड़ा एक अत्याधुनिक एमएस जिम सेंटर भी शामिल है। दो मंजिला भवन में इस जिम में आधुनिक फिटनेस उपकरण, महंगी एक्सरसाइज मशीनें और अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। अधिकारियों के अनुसार जिम का आकार और उसमें किए गए।

और डिपार्टमेंटल स्टोर सहित कई स्थानों पर एक साथ दबिश दी। लोकायुक्त अधिकारियों के अनुसार कंडवाल वर्ष 1996 से शासकीय सेवा में हैं और लगभग 30 वर्षों की सेवा अवधि में उन्हें वेतन के रूप में करीब 2.5 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई है। इसके विपरीत अब तक की जांच में लगभग 9.5 करोड़ रुपये की संपत्ति का सत्यापन किया जा चुका है। संपत्ति का मामला दर्ज किया।

डिपार्टमेंटल स्टोर सहित कई रिकॉर्ड खंगाले गए

इसके अलावा एक बड़े डिपार्टमेंटल स्टोर में भी जांच की गई। यहां से व्यावसायिक गतिविधियों, निवेश और आय से संबंधित दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है। लोकायुक्त टीम ने संपत्ति रिकॉर्ड, बैंकिंग दस्तावेज, निवेश संबंधी कागजात तथा अन्य वित्तीय अभिलेखों को अपने कब्जे में लेकर उनका परीक्षण शुरू कर दिया है।

संपत्ति का आंकड़ा और बढ़ने की आशंका

लोकायुक्त अधिकारियों का कहना है कि तलाशी अभियान अभी जारी है और दस्तावेजों की विस्तृत जांच के बाद अनुपातहीन संपत्ति का आंकड़ा और बढ़ सकता है। जांच एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि विभिन्न संपत्तियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में लगाया गया निवेश किन स्रोतों से आया तथा उसका घोषित आय से कितना संबंध है।

आश्रम और धार्मिक कार्यों के लिए दान की गई संपत्ति लाखों में बेची गई, मचा हड़कंप

धार्मिक दान की जमीन बेचने का मामला गरमाया, सैलाना में उठे सवाल

रतलाम ■ निसं

रतलाम जिले के सैलाना नगर में धार्मिक आस्था और दान की पवित्रता से जुड़ा एक पुराना मामला अब चर्चा के केंद्र में आ गया है। वर्ष 1982 में धार्मिक एवं आश्रम संबंधी कार्यों के लिए दान में दी गई एक मकान और भूमि को बाद में निजी व्यक्तियों को बेच दिए जाने के दस्तावेज सामने आने के बाद नगर में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है।

प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार, सैलाना निवासी श्रीमती इन्द्रकुंवर ठाकुर, पत्नी स्वर्गीय लोकपाल सिंह कोठड़ा ने 4 अक्टूबर 1982 को एक पंजीकृत दान पत्र के माध्यम से महात्मा गांधी मार्ग स्थित वार्ड क्रमांक-8 (वर्तमान में वार्ड क्रमांक-11, मकान नंबर-35) की अपनी मकान और भूमि श्री राजानंदजी गुरु श्री नित्यानंदजी महाराज को धार्मिक उद्देश्य से दान स्वरूप प्रदान की थी।

दस्तावेजों में स्पष्ट उल्लेख किया गया था कि दानकर्ता की कोई संतान नहीं थी और उन्होंने अपनी स्वतंत्र इच्छा से बिना किसी दबाव, प्रलोभन अथवा लालच के यह संपत्ति धार्मिक कार्यों, आश्रम और जनहित से जुड़े उपयोग के लिए समर्पित की थी। उस समय संपत्ति का मूल्य करीब 10 हजार रुपये दशार्या गया था तथा उप पंजीयक कार्यालय रतलाम में इसका विधिवत पंजीयन कराया गया था। दान पत्र में यह भी उल्लेख था कि दानकर्ता जीवनभर उसी मकान में लाइसेंसी के रूप में निवास करती रहेंगी।

मामले ने तब नया मोड़ ले लिया जब वर्षों बाद सामने आए एक विक्रय दस्तावेज में इसी संपत्ति को राजानंद गुरु श्री नित्यानंदजी महाराज द्वारा लगभग 1 लाख 95 हजार रुपये में संदीपकुमार पिपरोदिया एवं श्रीमती शशिकांता देवी जैन के नाम बेचने का उल्लेख मिला। विक्रय पत्र में संपत्ति को पुराना खंडहरनुमा मकान और खाली भूमि बताया गया है।

संपत्ति सार्वजनिक धार्मिक उद्देश्य के लिए थी

जानकारी के अनुसार, महाराज द्वारा यह तर्क दिया गया कि सैलाना की उक्त संपत्ति धार्मिक कार्यों में उपयोग नहीं हो पा रही थी तथा धौंसवास स्थित धार्मिक स्थल और अन्य धार्मिक गतिविधियों के लिए धन की आवश्यकता होने के कारण उक्त संपत्ति का विक्रय किया गया। हालांकि, इस तर्क के बावजूद कई लोगों का कहना है कि जब संपत्ति विशेष रूप से नित्यानंद स्वामी आश्रम और धार्मिक कार्यों के उद्देश्य से दान की गई थी, तब उसे निजी विक्रय के माध्यम से बेचना गंभीर कानूनी और नैतिक प्रश्न खड़े करता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि दान की गई संपत्ति सार्वजनिक धार्मिक उद्देश्य के लिए थी, तो उसके स्वरूप और उपयोग में परिवर्तन किस आधार पर किया गया, इसकी जांच आवश्यक है। दस्तावेजों में स्वयं विक्रेता द्वारा यह स्वीकार किया गया है कि संपत्ति उन्हें पंजीकृत दान पत्र के माध्यम से प्राप्त हुई थी।

सुसाइड नोट से हुआ खुलासा, पारिवारिक प्रताड़ना से तंग आकर की आत्महत्या

दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, गंभीर धाराओं में मामला दर्ज

उज्जैन ■ निसं

थाना पवासा क्षेत्र में आत्महत्या के एक मामले की गहन जांच के बाद पुलिस ने महत्वपूर्ण खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि पारिवारिक विवाद और प्रताड़ना से परेशान होकर एक व्यक्ति ने आत्महत्या की थी।

पुलिस के अनुसार 23 अप्रैल 2026 को सूचना मिली थी कि 45 वर्षीय संतोष पाल निवासी 36 क्वार्टर, देसाई नगर उज्जैन ने पिलिया खाल स्थित रेलवे ब्रिज नंबर 35 के नीचे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलने पर थाना पवासा पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से मृतक की जेब से एक सुसाइड नोट बरामद किया, जिसे विधिवत जब्त किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण फांसी लगना पाया गया।

जांच के दौरान परिजनों के बयान और सुसाइड नोट के आधार पर यह तथ्य सामने आया कि मृतक का अपने पिता दयाराम पाल, भाई राजकुमार पाल तथा भाभी आरती पाल के साथ पैतृक मकान के बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। आरोप है कि इसी विवाद के चलते मृतक को मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था।

पुलिस जांच में प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि पारिवारिक विवाद और कथित प्रताड़ना के कारण संतोष पाल ने आत्मघाती कदम उठाया। प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध धारा 108 एवं 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सराफा चौपाटी में रात को गुंडागर्दी और मारपीट

इंदौर। खानपान के लिए फेमस सराफा चौपाटी अब गुंडागिरी में भी आगे हो गई है। यहां देर रात मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते मारपीट में बदल गई और मौके पर जमकर हंगामा हुआ। युवक पर खाना बनाने वाले औजार से हमला और मारपीट की गई। चौपाटी पर मौजूद लोगों में घटना के दौरान अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद किसी छोटी बात को लेकर शुरू हुआ था, लेकिन कुछ ही देर में दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। घटना की सूचना मिलते ही सराफा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने मारपीट में शामिल आरोपियों को तत्काल हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

गौवंश हत्या के विरोध में हिंदू संगठनों ने किया चौराहे पर सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ

रतलाम ■ निसं

रतलाम सिविक सेंटर क्षेत्र में हुई गौ माता की निर्मम हत्या के मामले में हिंदू संगठनों और सर्व हिंदू समाज का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में आज सभी हिंदू संगठनों के कार्यकताओं और पदाधिकारियों द्वारा चौराहे पर एकत्रित होकर सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

सामूहिक पाठ के दौरान भारी संख्या में लोग मौजूद रहे, जिसे देखते हुए कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर नजर आया। चौराहे और आसपास के क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

कुछ दिन पूर्व सिविक सेंटर क्षेत्र में गौवंश की हत्या का गंभीर मामला सामने आया था, जहाँ गौमांस और गाय का सिर बरामद किया गया था। इस घटना के विरोध में हिंदू संगठनों द्वारा पूर्व में लोकेंद्र टॉकीज चौराहे पर चक्का जाम कर कड़ा विरोध प्रदर्शन भी किया गया था।

प्रदर्शन के दौरान प्रशासन ने 7 दिन में कार्रवाई का आश्वासन दिया था लेकिन आश्वासन के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई।

क्लीन चोइथराम मंडी अभियान लगातार जारी, देर रात मारी दबिश

इंदौर। कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस उपायुक्त ज़ोन-1 नरेंद्र सिंह रावत के नेतृत्व में थाना राजेंद्र नगर क्षेत्र स्थित चोइथराम मंडी में देर रात चेकिंग अभियान चलाया गया। डीसीपी ने पुलिस बल के साथ अचानक मंडी परिसर में पहुंचकर संदिग्ध व्यक्तियों एवं आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम हेतु व्यापक जांच की। अभियान के दौरान युवाओं एवं छात्रों को शराब पीकर वाहन न चलाने तथा अपराधों से दूर रहने की समझाइश दी गई। विभिन्न स्थानों पर खड़े संदिग्ध युवकों की तलाशी ली गई तथा व्यापारियों एवं दुकान संचालकों को नियमों का पालन करने एवं देर रात अनावश्यक भीड़ एकत्रित न होने देने के निर्देश दिए गए।

धार जिले में 24 घंटे में दर्ज हुए अपहरण, छेड़छाड़ और प्रताड़ना के 7 मामले

धार ■ निसं

जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पिछले 24 घंटों के भीतर अपराध के कई गंभीर मामले सामने आए हैं। पुलिस द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक, धार जिले के अलग-अलग गांवों और कस्बों में अपहरण, छेड़छाड़, मारपीट और जान से मारने की धमकियों के कुल 7 मामले दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में भारतीय न्याय संहिता और पाक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

थाना धामनोद क्षेत्र के ग्राम कुसुमला में मामला सामने आया है। यहां एक नाबालिग लड़की के साथ गंभीर अपराध को अंजाम दिया गया।

थाना राजगढ़ के ग्राम दत्तीगांव में एक महिला अपने पति भुरु के साथ गुजरात मजदूरी पर जाने के लिए दत्तीगांव बस स्टैंड पर खड़ी थी। तभी अंधेरे का फायदा उठाकर आरोपियों ने महिला का मुंह दबाकर उसे दबोच लिया और बुरी नीयत से छेड़छाड़ शुरू कर दी।

धार जिला पुलिस ने सभी मामलों में तत्परता दिखाते हुए जांच शुरू कर दी है। अज्ञात आरोपियों की तलाश के लिए टीमें रवाना की गई हैं, वहीं नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

थाना कानवन के अंतर्गत नागदा के किसान मोहल्ला से एक पेचीदा मामला सामने आया है। यहां एक मृतिका की उसकी नानी के घर की पहली मंजिल पर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। शुरूआत में पुलिस ने मर्ग क्रमांक 34/2026 धारा 194 BNSS के तहत जांच शुरू की थी। गहन जांच के बाद पुलिस ने आरोपी राज नागदा के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मांडव, गंधवानी, कानवन, राजगढ़ में अपहरण के केस

मांडव (रिलेक्स पॉइंट): सिंगोडी निवासी संतोष (उम्र 40 साल) ने गोलू जायसवाल के घर के पास से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपहरण किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

गंधवानी (मोरीपुरा): गुलाब मुझाल्दे के घर से एक व्यक्ति के लापता/अपहरण होने की खबर है। काफी तलाश के बाद जब सुराग नहीं मिला, तो पुलिस में अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया गया।

कानवन (कड़ोदकला): ग्राम कड़ोदकला में एक घर से अपहरण का मामला सामने आया है। रिश्तेदारों और आसपास के गांवों में छानबीन के बाद थक-हारकर परिजनों ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

राजगढ़ (नया बस स्टैंड): राजगढ़ बस स्टैंड से दिनदहाड़े एक अपहरण की वारदात को अंजाम दिया गया। इस मामले में पुलिस ने ईश्वर भुरिया (निवासी भास्कर नगर, सरदारपुर) को नामजद आरोपी बनाया है।

जनजातीय अध्ययन में पहचान बना रहा डीएवीवी इंदौर को मिली नई दिशा

डीएवीवी में एमए, एमबीए और पीएचडी में प्रवेश प्रारंभ

इंदौर ■ निसं

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के स्कूल ऑफ ट्राइबल स्टडीज द्वारा जनजातीय समाज, संस्कृति, परंपराओं और विकास के विविध आयामों को समझने के लिए एक अभिनव शैक्षणिक पहल की गई है। विश्वविद्यालय में जनजातीय अध्ययन एवं जनजातीय विकास पर केंद्रित विशेष पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को जनजातीय समुदायों के जीवन, ज्ञान परंपराओं, चुनौतियों और विकास की संभावनाओं से परिचित कराना है। यह पहल विद्यार्थियों में जनजातीय समाज के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के साथ उन्हें ऐसे ज्ञान और कौशल से सुसज्जित करती है, जिससे वे भविष्य में जनजातीय समुदायों के सशक्तिकरण और विकास में सार्थक योगदान दे सकें। स्कूल ऑफ ट्राइबल स्टडीज में एमए, एमबीए तथा पीएचडी जैसे विशिष्ट कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। ये पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को जनजातीय समाज के इतिहास, संस्कृति, जीवन-पद्धति, पारंपरिक ज्ञान, सामाजिक चुनौतियों तथा विकास संबंधी मुद्दों को समझने का अवसर प्रदान करते हैं।

जनजातीय समुदायों से जुड़े अध्ययन और शोध की आवश्यकता बढ़ रही है। ऐसे में ये पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को अकादमिक ज्ञान के साथ जनजातीय विकास की नीतियों, योजनाओं और प्रबंधन से जुड़ी व्यावहारिक समझ भी प्रदान करते हैं। शिक्षण, सामाजिक विकास, नीति निर्माण तथा प्रशासनिक क्षेत्रों में बेहतर कॅरियर के अवसर बढ़ जाते हैं।

अधिक मास में वैष्णव परिषद ने किया वरिष्ठ वैष्णव जन का सम्मान

उज्जैन। अधिक मास में अंतर्राष्ट्रीय पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद, महिला मंडल एवं युवा मंडल ने क्षीरसागर स्थित नीमा धर्मशाला में परिषद की केंद्रीय समिति के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष बद्रीलाल चौधरी के मुख्य आतिथ्य एवं केंद्रीय महामंत्री लक्ष्मीनारायण नीमा की अध्यक्षता में सम्मान, भजन कीर्तन एवं आयोजन किया। परिषद के कोषाध्यक्ष गोवर्धन एम नीमा ने बताया परिषद द्वारा पुरुषोत्तम मंदिर में किए गए विशेष मनोरथ के साथ वैष्णव जन को आमंत्रित कर महा प्रसादी रखी गई जिसमें लगभग 950 वैष्णव जन ने प्रसादी ग्रहण की, कार्यक्रम अध्यक्ष शाखा अध्यक्ष जितेंद्र गांधी एवं गण मान्य नागरिक मौजूद थे।

नवविवाहिता की मौत मामले में पति, सास, ससुर गिरफ्तार

उज्जैन ■ निसं

उज्जैन जिले के भाटपचलाना थाना क्षेत्र में नवविवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पति, सास और ससुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने घटना के महज दो घंटे के भीतर तीनों आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की। पुलिस के अनुसार 2 जून 2026 को ग्राम बरथून निवासी नवविवाहिता प्रिया को जहरीला पदार्थ सेवन करने की हालत में नागदा के जनसेवा अस्पताल ले जाया गया था। हालत गंभीर होने पर उसे उज्जैन के पाटीदार अस्पताल रेफर किया गया। उपचार के दौरान कार्यपालिक दंडाधिकारी द्वारा लिए गए मरणासन्न कथनों में प्रिया ने आरोप लगाया कि उसके पति बालकदास बैरागी ने मारपीट कर जबरन सल्फास की गोली खिलाई थी।

उपचार के दौरान 5 जून को प्रिया की मृत्यु हो गई। जांच में मायके पक्ष ने भी बताया कि विवाह के बाद से पति बालकदास, सास राजूबाई और ससुर प्रहलाददास द्वारा लगातार प्रताड़ित किया जाता था। साक्ष्यों और बयानों के आधार पर भाटपचलाना पुलिस ने हत्या सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर विशेष टीम गठित की।

महाकाल में पुष्पा गेटअप में युवक को VIP दर्शन, पायल-चूड़ियां पहनकर पहुंचा

उज्जैन ■ निसं

उज्जैन के महाकाल मंदिर में एक युवक फिल्म पुष्पा के अभिनेता अल्लू अर्जुन के स्टाइल में साड़ी-ब्लाउज पहनकर दर्शन करने पहुंचा। उसके पैरों में पायल, गले में नींबू की माला और हार, कानों में टॉप्स, नाक में नथनी और हाथों में चूड़ियां थीं। मंदिर में श्रद्ध दर्शन को लेकर विवाद खड़ा गया। मंदिर प्रबंधन ने सुपरवाइजर को हटा दिया है।

वायरल वीडियो के मुताबिक, सुरक्षाकर्मियों और मंदिर समिति के कर्मचारियों ने युवक को नहीं रोका। उसके साथ फोटो भी खिंचवाई, जबकि महाकाल मंदिर परिसर में फोटोग्राफी और वीडियो बनाने पर पहले से प्रतिबंध है। इसकी निगरानी की जिम्मेदारी भी कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों की होती है। फिल्म पुष्पा के वेशभूषा में दर्शन करने आए युवक को प्रोटोकॉल भी मिला।

बताया जा रहा है कि युवक को सामान्य श्रद्धालु की तरह नहीं, बल्कि विशेष सुविधा के साथ प्रवेश मिला। वायरल वीडियो में वह मंदिर के अलग-अलग हिस्सों में घूमता दिख रहा है। मंदिर का एक कर्मचारी उसे वीआईपी श्रद्धालु की तरह गणेश मंडपम तक दर्शन कराने ले गया।

मंदिर के प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि वायरल वीडियो 5 फरवरी का है। वीडियो सामने आने के बाद जांच की गई थी और संबंधित सुपरवाइजर को पद से हटा दिया गया था। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर में फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी होने देना निर्धारित व्यवस्था और मयार्दा के विपरीत है।

मंदिर परिसर में बनाए वीडियो

मंदिर के भीतर वीडियो भी बनाए, जबकि सामान्य श्रद्धालुओं को इसकी अनुमति नहीं होती। महाकाल मंदिर में मोबाइल से वीडियो और फोटोग्राफी को लेकर पहले भी विवाद हो चुके हैं। वायरल वीडियो में सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े कर्मचारी ही युवक के साथ फोटो और वीडियो बनाते नजर आ रहे।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो

वीडियो इंस्टाग्राम और फेसबुक पर Ankit Astoliya नाम की आईडी से अपलोड किए गए हैं। संबंधित अकाउंट पर इसी वेशभूषा में बने कई अन्य वीडियो भी बताए जा रहे हैं। इनके वायरल होने के बाद मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था और नियमों के पालन पर सवाल उठे हैं।

संक्षिप्त समाचार

फीफा विश्व कप में किसी भी भूमिका को निभाने तैयार हैं इबानेज

सेन डियागो। ब्राजील फुटबॉल टीम में शामिल डिफेंडर रोजर इबानेज ने कहा वह फीफा विश्व कप 2026 में राइट-बैक सहित किसी भी जगह पर खेलने के लिए भी तैयार हैं। वेस्ली फ्रैंका के चोटिल होने के बाद टीम में शामिल इबानेज आम तौर पर सेंटर-बैक के तौर पर खेलते हैं पर अब टीम की जरुरतों के अनुसार दूसरी जिम्मेदारी भी निभाने को तैयार हैं। इबानेज के अनुसार देश की ओर से खेलना सबसे बड़ी बात है। इसलिए वह इस टूर्नामेंट को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि वह कि टीम की जरुरत को सबसे आगे मानते हैं और उनको जो भी भूमिका दी जाएगी उसे निभा सकते हैं। । वहीं अभ्यास मैच में चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हुए वेस्ली के बाद टीम में राइट-बैक के तौर पर किसे उतरा जाये ये सबसे बड़ा सवाल बना है।

फरहान की कप्तानी में एशियाई खेलों में उतरेगी पाकिस्तान टीम

लाहौर। युवा बल्लेबाज साहिबजादा फरहान की कप्तानी में पाकिस्तान क्रिकेट टीम आगामी एशियाई खेलों में उतरेगी। एशियाई खेल जापान के आइची प्रांत और नागोया शहर में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किए जाएंग। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इन खेलों के लिए अपनी जो 15 सदस्यी टीम घोषित की है। उसमें कई अनुभवी खिलाड़ियों को जगह नहीं मिली है। टीम में बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, शाहीन अफरीदी और कप्तान सलमान अली आगा को शामिल नहीं किया गया है। इस प्रकार देखा जाये तो टीम में अधिकतर नये खिलाड़ी हैं। इसमें चार अनकैप्ड खिलाड़ी भी शामिल हैं। चार खिलाड़ियों ने तो अभी तक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण तक नहीं किया है। फरहान को टी20 विश्व कप 2026 में अच्छे प्रदर्शन के कारण कप्तानी दी गयी है।

धोनी को इस कारण नहीं मिल पाया टी20 में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अवार्ड

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम कई रिकार्ड है। धोनी की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने पहला टी20 खिताब जीत था। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17,000 से अधिक रन है पर प्रशंसकों को ये जानकर हैरानी होगी कि इसके बाद भी धोनी को अपने करियर के दौरान टी20 प्रारुप में एक बार भी मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड नहीं मिला। इसका कारण ये रहा कि धोनी ने हमेशा ही टीम की जीत को निजी उपलब्धियों से अधिक महत्व दिया और उसी अनुसार फैसले लिए। साल 2004 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद धोनी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा ओर वह सबसे अच्छे विकेटकीपर बल्लेबाज और मैच फिनिशर के तौर पर उभरे। उन्होंने भारतीय टीम की ओर से कुल 538 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 44.96 के बेहतरीन औसत से 17,266 रन बनाए। इसमें 16 शतक और 108 अर्धशतक शामिल हैं। 98 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के अपने करियर में धोनी ने 37.60 की औसत और 126.13 के स्ट्राइक रेट से 1,617 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में भारत का शानदार अभियान

पीवी सिंधू, तन्वी और आकर्षी दूसरे राउंड में पहुंचीं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

ऑस्ट्रेलियन बैडमिंटन ओपन 2026 में बुधवार को स्टार शटलर पीवी सिंधू और युवा सनसनी तन्वी शर्मा ने दूसरे राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली है। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने ओलंपिक बुलेवार्ड वेन्यू पर पेरू की इनेस कैस्टिलो को सीधे गेम में 21-13, 21-11 से हराया। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट ने शुरू से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा और आधे घंटे से कुछ ज्यादा समय में मुकाबला खत्म कर दिया।

प्री-क्वार्टर फाइनल में सिंधू का मुकाबला हमवतन इशरानी बरुआ से होगा। विश्व नंबर 39 इशरानी ने चीन की हान कियानक्सी के खिलाफ 22-20, 10-21, 21-14 से जीत दर्ज करने के साथ अगले दौर में जगह बनाई है। 17 वर्षीय तन्वी शर्मा ने विश्व नंबर-11 चीनी ताइपे की चिउ पिन-चियन को 21-12, 22-20 से शिकस्त दी। अगले राउंड में उनका सामना मालविका बंसोड़ से होगा, जिन्होंने थाईलैंड की टोनरुग साएहेंग को 15-21, 21-7, 21-13 से मात दी है।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप की मौजूदा सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी के लिए यह जीत उत्साह बढ़ाने वाली है, क्योंकि इस सीजन में बीडब्ल्यूएफ सर्किट पर उनका सफर काफी मुश्किल भरा रहा है। पिछले एक साल में रैंकिंग में तेजी से ऊपर आने के बावजूद, यह युवा भारतीय खिलाड़ी 2026 में अपने पिछले आठ में से केवल दो टूर्नामेंट्स में ही पहले राउंड से आगे बढ़ पाई थी। एक तरफ विमेंस सिंगल्स में भारतीय खिलाड़ियों का अभियान जोर पकड़ रहा था, वहीं पुरुषों की चुनौती जल्द खत्म हो गई। किरण जॉर्ज को मलेशिया के जस्टिन होह ने कड़े मुकाबले में तीन गेम में हराया, जबकि क्वालीफायर सनीथ दयानंद चीन के हू झे-आन से हार गए।

दिन की सबसे करीबी हार थारुन मन्नेपल्ली को मिली। चीनी ताइपे के विश्व नंबर-10 खिलाड़ी लिन चुन-यी के खिलाफ, भारतीय खिलाड़ी ने एक घंटे 20 मिनट तक संघर्ष किया, लेकिन पहले दौर के रोमांचक मुकाबले में 18-21, 21-13, 23-25 से हार गए। महिला एकल ड्रॉ में भारत की मौजूदगी और बढ़ी, जब तान्या हेमंत ने यूएसए की इशिका जायसवाल को 21-17, 21-18 से हराया। हालांकि, मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से 19-21, 21-19, 20-22 से हारने के बाद आकर्षी कश्यप का सफर खत्म हो गया।

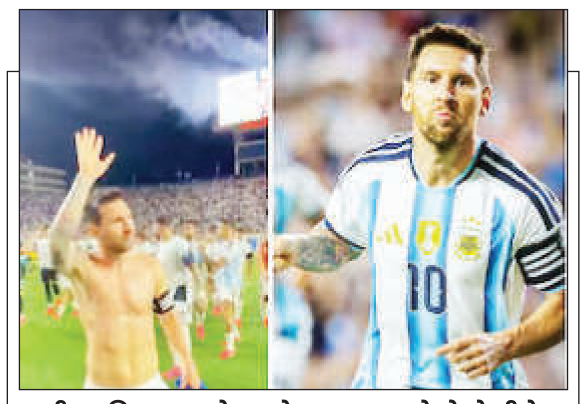

फीफा विश्वकप से पहले हुए मुकाबले में मेसी के गोल से अर्जेन्टीना ने आइसलैंड को हराया

अलबामा। स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी के शानदार प्रदर्शन से अर्जेन्टीना ने फीफा विश्वकप से पहले अपने दोस्तान मैच में आइसलैंड को 3-0 से हरा दिया। इस जीत से टीम का उत्साह बढ़ा है। इससे मेसी की फिटनेस पर उठे सवाल भी समाप्त हो गये। मांसपेशियों की चोट से उबरने के बाद मैदान पर लौट रहे मेसी ने मुकाबले की शुरुआत स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में की, लेकिन जब वह मैदान पर उतरे तो उन्होंने अपनी क्षमता का भरपूर प्रदर्शन किया। मेसी 70 वें मिनट में मैदान पर उतरे, जिससे स्टेडियम में मौजूद प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह भर गया। उनके मैदान पर आने के केवल दो मिनट बाद ही, 72वें मिनट में लोटारो मार्टिनेज के खिलाफ फाउल के लिए मिली पेनल्टी को उन्होंने गोल में बदल दिया। यह गोल उनकी शानदार फिटनेस और खेल कौशल का प्रमाण था, और इसने यह संकेत भी दिया कि वह एक बार फिर विश्व कप के बड़े मंच पर चमकने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। अर्जेन्टीना की टीम आइसलैंड के खिलाफ इस मुकाबले में पूरी तरह से हावी रही। मेसी के आने से पहले ही टीम ने दो अन्य गोल दागकर अपनी बढ़त मजबूत कर ली थी, जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और बढ़ा। पूरी टीम ने बेहतरीन तालमेल और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया, जिससे विपक्षी टीम को वापसी का कोई मौका नहीं मिला। इस जीत ने टीम को विश्व कप से पहले एक मजबूत मंच प्रदान किया है।

भारत 9 साल बाद श्रीलंका में टेस्ट सीरीज खेलेगा

15 अगस्त से गॉल में पहला टेस्ट, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा होगी सीरीज

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत 9 साल बाद श्रीलंका में टेस्ट सीरीज खेलेगा। टीम 15 अगस्त से श्रीलंका दौरे की शुरुआत करेगी। 2017 में विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम ने श्रीलंका को टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया था। शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम दो टेस्ट मैच खेलेगी। पहला टेस्ट गॉल में खेला जा सकता है। वहीं दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में हो सकता है। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का हिस्सा होगी।

3 टी-20 मैच भी हो सकते हैं: टेस्ट सीरीज के अलावा भारत और श्रीलंका के बीच 3 टी-20 मैच भी खेले जा सकते हैं। क्रिकबज के मुताबिक बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने हाल में ही कहा था कि श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड से तीन

मैचों की बात हुई है।

श्रीलंका प्रीमियर लीग 9 अगस्त को खत्म होने वाली है। ऐसे में टेस्ट सीरीज के बाद टी-20 मुकाबले कराना ज्यादा आसान माना जा रहा है।

भारत-ए अभी श्रीलंका दौरे पर: भारत-ए की टीम अभी श्रीलंका दौरे पर ट्राई-सीरीज खेल रही है। टीम का पहला मुकाबला 9 जून को खेला गया। भारत ने इस वनडे मैच में श्रीलंका को 8 रन से हरा दिया। टीम इस सीरीज के बाद दो अनऑफिशियल टेस्ट मैच भी खेलेगी।

इंग्लैंड के हैरी ब्रूक आईसीसी टेस्ट बैटर रैंकिंग में टॉप पर पहुंच गए हैं। उन्होंने अपने करियर में दूसरी बार यह पोजिशन हासिल की है। बुधवार को

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

हैरी ब्रूक नंबर वन, शुभमन गिल टॉप-10 में शामिल

दुबई ■ एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी ताजा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के हैरी ब्रूक नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। हैरी ने अपने ही साथ ही खिलाड़ी और पूर्व कप्तान जो रूट को पीछे छोड़ा है। रुट अब दूसरे नंबर पर खिसक गये हैं। वहीं भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल दो स्थान के लाभ के साथ ही आठवें स्थान पर पहुँच गए हैं, जिससे उन्होंने शीर्ष 10 में अपनी जगह और मजबूत की है।

ब्रूक ने यह शानदार उपलब्धि न्यूजीलैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप मैच में हासिल की, जहाँ इंग्लैंड ने 115 रनों से शानदार जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले की पहली पारी में ब्रूक ने महत्वपूर्ण 56 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली थी। वहीं रूट को लॉर्ड्स टेस्ट खराब प्रदर्शन का नुकसान हुआ है। वह इस मैच में एक और आठ रन ही बना सके। इस निराशाजनक प्रदर्शन के परिणामस्वरूप, रूट दो स्थान खिसककर पहले

से सीधे तीसरे स्थान पर आ गए हैं।

दूसरी ओर भारतीय टीम के शुभमन ने रैंकिंग में अच्छी छलांग लगाई है। अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में शानदार शतक जड़ने के बाद शुभमन दो स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर आ गए हैं। रैंकिंग में अन्य महत्वपूर्ण बदलावों में ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ चौथे स्थान पर बने हुए हैं। श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस एक स्थान के फायदे के साथ पांचवें नंबर पर आ गए हैं, जबकि न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह छठे पायदान पर खिसक गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा सातवें स्थान पर कायम हैं। भारत के उभरते सितारे यशस्वी जायसवाल को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह नौवें स्थान पर हैं, वहीं श्रीलंका के अनुभवी बल्लेबाज दिनेश चांदीमल एक पायदान ऊपर चढ़कर दसवें स्थान पर पहुँच गए हैं।

व्यापार समाचार

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में सात संकल्प, वैष्णव ने बताया

अहमदाबाद मेट्रो फेज-2 को मंजूरी, अन्य फैसले क्या?

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्र सरकार ने शहरी विकास और बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) को रफ्तार देने के लिए अहम कदम उठाए हैं। केंद्रीय कैबिनेट की हालिया बैठक में कई बड़े और दूरगामी प्रभाव वाले फैसले लिए गए हैं, जिनमें आंध्र प्रदेश के अमरावती के विकास से लेकर गुजरात के अहमदाबाद में मेट्रो रेल के विस्तार की योजनाएं शामिल हैं। इसके साथ ही, देश के राजनीतिक इतिहास में एक नया मील का पत्थर भी जुड़ गया है। आइए, आसान भाषा में समझते हैं कि सरकार के इन फैसलों में क्या-क्या शामिल है।

पीएम मोदी के नाम कौन सा ऐतिहासिक रिकॉर्ड दर्ज हुआ?: सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक निर्वाचित पीएम के रूप में सबसे लंबी अवधि तक पद पर रहने का नया रिकॉर्ड कायम किया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि को रेखांकित करते हुए आज हुई कैबिनेट की बैठक में बाकायदा एक प्रस्ताव भी पारित किया गया है।

अमरावती को केंद्र सरकार से क्या बड़ी सौगात मिली?: आंध्र प्रदेश के अमरावती को विकसित करने की दिशा में केंद्र ने अहम कदम उठाया है। कैबिनेट ने अमरावती में केंद्र सरकार की दो प्रमुख

अवसंरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर) परियोजनाओं को हरी झंडी दिखा दी है। इसमें दो प्रमुख निर्माण शामिल हैं

अहमदाबाद मेट्रो के विस्तार से यातायात कैसे सुधरेगा?: शहरी परिवहन को सुगम और आधुनिक बनाने के लिए कैबिनेट ने 'अहमदाबाद मेट्रो रेल परियोजना के चरण 2ए' को भी अपनी मंजूरी दे दी है। इस नए विस्तार के तहत 6.032 किलोमीटर लंबा नया मेट्रो कॉरिडोर तैयार किया जाएगा। इस कॉरिडोर में कुल पांच नए मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे, जिससे शहर के विभिन्न हिस्सों में कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

अहमदाबाद-गांधीनगर रूट का भविष्य कैसा होगा?: इस नए मेट्रो कॉरिडोर के चालू होने के बाद गुजरात के दो प्रमुख शहरों (अहमदाबाद और गांधीनगर) की कनेक्टिविटी पहले से कहीं अधिक मजबूत हो जाएगी। चरण 2ए का काम पूरा होने और इसके शुरू होने पर, अहमदाबाद-गांधीनगर मार्ग पर कुल 77.63 किलोमीटर लंबा एक सक्रिय और विशाल मेट्रो रेल नेटवर्क आम जनता के उपयोग के लिए उपलब्ध हो जाएगा।

सात संकल्पों के बारे में क्या कहा गया?: केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को भविष्य के लिए तैयार करने के उद्देश्य से पीएम मोदी ने 'सात संकल्प' पेश किए हैं, जिनमें डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, स्टार्टअप इंडिया, नवाचार और उद्यमिता पर विशेष जोर दिया गया है। इन सात संकल्पों में कौशल विकास को प्राथमिकता देने के साथ-साथ खेल जगत और फिटनेस के लिए कार्यक्रम चलाने का आह्वान भी शामिल है, जो भारतीय कॉर्पोरेट और एमएसएमई सेक्टर के लिए एक कुशल, नवोन्मेषी और स्वस्थ कार्यबल तैयार करने की दिशा में बड़ा कदम है।

एमआईटी-डब्ल्यूपीयू के शोधकर्ताओं ने बनाई नई तकनीक

फैक्ट्रियों में मशीनों का शोर 20 डेसिबल तक घटेगा

पुणे ■ एजेंसी

फैक्ट्रियों और वर्कशॉप्स में काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी (एमआईटी-डब्ल्यूपीयू) के शोधकर्ताओं ने एक नई तकनीक विकसित की है। यह तकनीक कटिंग मशीनों से होने वाले तेज शोर को 20 डेसिबल तक कम कर सकती है। साथ ही, यह मशीन से निकलने वाली चिंगारियों, धूल और छोटे धातु कणों को बाहर फैलने से भी रोकती है। देश में मैन्युफैक्चरिंग और फैब्रिकेशन क्षेत्र के विस्तार के साथ कार्यस्थल सुरक्षा और स्वास्थ्य एक और अहम विषय बनता जा रहा है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई है, ताकि कटिंग मशीनों से होने वाले तेज शोर जैसी आम लेकिन अक्सर नजरअंदाज की जाने वाली समस्या का समाधान किया जा सके। एमआईटी-डब्ल्यूपीयू के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के फैकल्टी मेंबर डॉ. रोहित रघुनाथ घाडगे, डॉ. महेश वसंतराव कुलकर्णी और पीएचडी स्कॉलर यश उत्साही चावंडे ने इस तकनीक को विकसित किया है। यह एक विशेष सुरक्षा कवच के रूप में तैयार की गई है, जिसे नई और पुरानी, दोनों तरह की कटिंग मशीनों पर आसानी से लगाया जा सकता है।

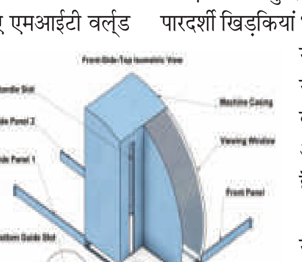

सामान्य कटिंग मशीनों में सुरक्षा के लिए सिर्फ छोटे गार्ड होते हैं, जबकि इस नई तकनीक में कटिंग वाले हिस्से को एक विशेष सुरक्षा कवर से पूरी तरह घेरा गया है। इसमें पारदर्शी खिड़कियां भी दी गई हैं, ताकि कर्मचारी सुरक्षित रहते हुए मशीन का काम देख सकें। यह अलग-अलग आकार की वस्तुओं की कटिंग के दौरान भी आसानी से इस्तेमाल की जा सकती है।

इस तकनीक की सबसे बड़ी खासियत इसका विशेष डिजाइन है। इसका सुरक्षा कवर ऐसा बनाया गया है कि कटिंग के दौरान पैदा होने वाला शोर काफी हद तक अंदर ही दबा रहता है। साथ ही, यह चिंगारियों, धातु के छोटे कणों और धूल को बाहर फैलने से रोकता है। इससे कर्मचारियों को ज्यादा सुरक्षित और साफ-सुथरा कामकाजी माहौल मिलता है। खास बात यह है कि इसके लिए बड़े साउंडप्रूफ कमरे या महंगे ढांचागत बदलावों की जरूरत नहीं पड़ती। डॉ. महेश वसंतराव कुलकर्णी ने कहा, 'आज उद्योगों में कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य पर पहले से ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। हमारा उद्देश्य ऐसा छोटा और व्यावहारिक समाधान विकसित करना था, जो एक साथ कई समस्याओं-जैसे तेज शोर, उड़ते धातु कण, धूल और ऑपरेटर की सुरक्षा-का समाधान कर सके। इसकी खास बात यह है कि इसके लिए बड़े साउंडप्रूफ कमरे या भारी-भरकम ढांचागत बदलावों की जरूरत नहीं होती।'

टाटा ग्रुप की दो बड़ी कंपनियां ब्रॉन्ड बाजार में उतरने की तैयारी में

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की दो बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियां एक बार फिर बॉन्ड बाजार का रुख कर सकती हैं। टाटा स्टील और टाटा प्रोजेक्ट्स 15 महीने से ज्यादा समय के बाद कर्ज जुटाने के लिए बॉन्ड जारी करने की तैयारी में हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक टाटा स्टील पांच साल की अवधि वाले बॉन्ड जारी करके करीब 3,000 करोड़ जुटाने की योजना बना रही हैं। कंपनी के कुछ पुराने बॉन्ड अक्टूबर में मैच्योर होने वाले हैं, ऐसे में नए फंड जुटाने की जरूरत पड़ सकती है। वहीं टाटा ग्रुप की रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी टाटा प्रोजेक्ट्स 500 करोड़ रुपए से 1,000 करोड़ के बीच रकम जुटाने पर विचार कर रही है। इसके लिए कंपनी तीन और पांच साल की अवधि वाले बॉन्ड जारी कर सकती है। मर्चेंट बैंकर के मुताबिक दोनों कंपनियों ने बाजार से पैसा जुटाने की तैयारी शुरू कर दी है। वे अभी कुछ समय और इंतजार कर रही हैं ताकि बॉन्ड पर मिलने वाली ब्याज दरें और कम हो जाएं। इससे उन्हें सस्ता कर्ज मिल सकेगा। हाल ही में आरबीआई ने अपनी नीतिगत ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है।

मिनी ने 2025 में 730 वाहन बेचे, पिछले साल के मुकाबले 3 फीसदी ज्यादा

नई दिल्ली। लग्जरी कार निर्माता बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया मिनी ब्रांड पर ज्यादा ध्यान दे रही है। कंपनी का इरादा स्थानीयकरण और मझोले बाजारों में विस्तार के जरिए 2026 के आखिर तक अपनी बिक्री को दोगुना करना है। मिनी ने 2025 में 730 वाहन बेचे, जो पिछले साल के मुकाबले 3 फीसदी ज्यादा है। कंपनी मिनी कंट्रीमैन के पेट्रोल-डीजल इंजन वाले वर्जन पर दांव लगा रही है, जिसे बीएमडब्ल्यू ग्रुप के चेन्नई संयंत्र में बनाया जाएगा। यह मॉडल कंपनी के भारत में मौजूद पोर्टफोलियो में स्थानीय स्तर पर बनने वाली 11वीं गाड़ी होगी। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो साल में भारत में मिनी की नई पेशकशों में मिनी कूपर एस हैच और मिनी कंट्रीमैन इलेक्ट्रिक शामिल हैं, लेकिन हाल में ब्रांड ने मिनी कन्वर्टिबल, मिनी कंट्रीमैन जेसीडब्ल्यू ऑल4 और मिनी कंट्रीमैन एसई ऑल4 के साथ अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। बीएमडब्ल्यू इस साल 10 मिनी मॉडल बाजार में उतारने की योजना बना रही है।

स्पाइसजेट के कई पायलटों को महीनों से नहीं मिला वेतन

नई दिल्ली। विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने मार्च से अपने कई पायलटों को वेतन भुगतान में देर की है। नकदी संकट से जूझ रही विमानन कंपनी ने कहा कि वह परिचालन स्थिर करने के लिए सरकार समर्थित क्रेडिट योजना के तहत आपातकालीन ऋण लेने की कोशिश कर रही है। साल 2019 में स्पाइसजेट बाजार हिस्सेदारी के लिहाज से देश की दूसरी सबसे बड़ी घरेलू विमानन कंपनी थी। उसके करीब 15 फीसदी यात्री थे, लेकिन तब से यह आंकड़ा गिरकर 3.4 फीसदी और वह चौथे स्थान पर आ गई। इसकी लंबे समय से चली आ रही वित्तीय परेशानियां पश्चिम एशिया युद्ध के कारण और बढ़ गई हैं। इस लड़ाई से ईंधन की कीमतों में इजाफा हुआ है और हवाई क्षेत्र तक पहुंच सीमित हो गई है।

मेटा-रिलायंस ने तैयार किया जॉइंट वेंचर का एलान, अंबानी डेटा सेंटर लीज पर देंगे

855 करोड़ का होगा जॉइंट निवेश, रिलायंस की 70 तो मेटा 30 फीसदी हिस्सेदारी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। मार्क जकरबर्ग की मेटा प्लेटफॉर्म्स और मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भारत और कुछ चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय मार्केट में लामा-बेस्ड एंटरप्राइज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सॉल्यूशन डेवलप और अप्लाई करने के लिए एक जॉइंट वेंचर का एलान तैयार किया है। इसके लिए शुरुआती तौर पर करीब 855 करोड़ रुपए का जॉइंट निवेश किया जाएगा। इस जॉइंट वेंचर में रिलायंस इंडस्ट्रीज की 70 फीसदी और मेटा की 30 फीसदी हिस्सेदारी होगी। यह जॉइंट वेंचर दो मुख्य प्रोडक्ट पेश करेगा। पहला एंटरप्राइज एआई प्लेटफॉर्म-एज-अ-सर्विस, जो कंपनियों को सेल्स, आईटी, कस्टमर सर्विस और फाइनेंस जैसे कामों के लिए जनरेटिव एआई मॉडल को कस्टमाइज, डिप्लॉय और मैनेज करने की सुविधा देगा। दूसरा, क्रॉस-फंक्शनल और सेक्टर-स्पेसिफिक जरूरतों के लिए पहले से तैयार एआई सॉल्यूशंस का एक सेट पेश किया जाएगा। डील में एक डेटा सेंटर का भी जिक्र किया गया है। रिलायंस 168 एमडब्ल्यू का डेटा सेंटर बनाएगी जिसे मेटा लीज पर लेगी और इसमें क्षमता बढ़ाने का विकल्प भी होगा। यह पार्टनरशिप मेटा के ओपन-सोर्स लामा मॉडल स्टैक और पूरे भारत में हजारों कंपनियों और स्मॉल-मिड बिजनेसों तक रिलायंस की पहुंच का फायदा उठाएगी। यह जॉइंट वेंचर क्लाउड, ऑन-प्रिमाइसेस और अपने खुद के इंफ्रास्ट्रक्चर पर सॉल्यूशन लागू कर सकेगा। रिपोर्ट के मुताबिक इस समझौते के तहत आरआईएल डेटा सेंटर के पूरे लाइफसाइकल के दौरान एंड टू एंड सर्विसेज देगी, जिसमें डिजाइन और कंस्ट्रक्शन से लेकर यूटिलिटीज, रिन्यूएबल पावर सप्लाई, नेटवर्क कनेक्टिविटी और पूरी तरह से मैनेज की जाने वाली ऑपरेशनल सेवाओं का मैनेजमेंट शामिल है।

"ठुकरा के मेरा प्यार" सीज़न 2 के ट्रेलर में पावर

पॉलिटिक्स और अधूरी मोहब्बत का खेल.. प्रीमियर

भोपाल ■ निप्र

इंतज़ार की घड़ियाँ अब और भी रोमांचक हो चुकी हैं। "ठुकरा के मेरा प्यार" सीज़न 2 का ट्रेलर आ चुका है, जो दर्शकों को सीधे एक ऐसी दुनिया में ले जाता है, जहाँ मोहब्बत मासूम नहीं रह जाती, बल्कि ताकत की कीमत व्यक्तिगत रूप से चुकानी पड़ती है। धवल ठाकुर एक ऐसे इंसान कुलदीप कुमार का किरदार निभाते हुए वापसी कर रहे हैं जो अपराधबोध और जुनून के बीच जूझ रहा है। एक ऐसा इंसान जिसने कभी कोई एक ऐसी गलती की थी, जिससे सब कुछ तहस-नहस हो गया और अब एक बार फिर वह खुद को राजनीति, सत्ता और अधूरी भावनाओं के खतरनाक जाल में खिंचता हुआ पाता है।

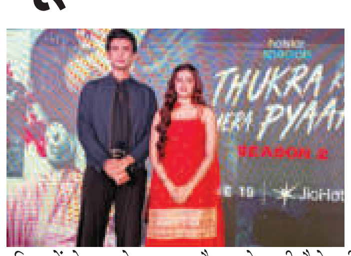

संचिता बसु, शानविका चौहान के रूप में और भी ज्यादा धाकड़, दमदार और शक्तिशाली बनकर उभरती हैं। सत्ता के बेरहम गलियारों से गुज़रते हुए वह नियमों को मानने से साफ़ तौर पर इंकार कर देती है, भले ही इसके लिए उसे इस रास्ते में रिश्तों की परिभाषा को ही क्यों न बदलना पड़े। यह ट्रेलर इस सीज़न की एक ऐसी झलक दिखाता है, जो हाई-स्टेक्स पॉलिटिकल ड्रामे, सुलगते हुए बदले, इमोशनल टकराहट और टकरावों से भरा हुआ है। "जैसे ही सीतापुर महत्वाकांक्षा और विश्वासघात की रणभूमि बन जाता है, कुलदीप और शानविका खुद को एक ऐसे खेल के विपरीत छोर पर पाते हैं... जहाँ भरोसा बेहद नाज़ुक होता है और इरादे कभी वैसे नहीं होते जैसे दिखाई देते हैं। यह सीज़न जज़्बातों के उस तूफ़ान को और भी ज़्यादा गहरा करता है जिसने पहले सीज़न को एक मिसाल बनाया था, वही दिल का टूटना, वही बदले की आग और एक कमतर आंके गए कमजोर इंसान का हर दीवार लांघकर उभरना... लेकिन इस बार, यह खेल एक बहुत बड़े और कहीं ज़्यादा ख़तरनाक कैनवास पर रचा गया है।" इस बारे में संचिता बसु ने कहा कि 'सीज़न 2 शानविका को एक ऐसे मोड़ पर ले जाता है जो जज़्बाती तौर पर अनकही और अप्रत्याशित है। वह अब पहले से कहीं ज़्यादा मज़बूत है, खुद को समेटकर रखने वाली और सतर्क है साथ ही लगातार इस उलझन में है कि जब खेल में सत्ता और धोखा शामिल हो जाए, तो फिर प्यार के असली मायने क्या रह जाते हैं। इस सीज़न में जिस चीज़ ने मुझे सबसे ज़्यादा रोमांचित किया, वो यह है कि यहाँ कुछ भी पूरी तरह सही या गलत नहीं है... हर इमोशन अपने साथ एक अंजाम लेकर आता है।"

कुलदीप कुमार के रूप में वापसी कर रहे धवल ठाकुर ने इस अवसर पर कहा कि, 'कुलदीप इस सीज़न में अपने अतीत का बोझ उठाता है। वह इमोशनल होने के साथ ही एक अजीब तरह के द्वंद्व में है।

विशन खेड़ा गांव के लोगों की अजब कहानी, कई बार जनसुनवाई में आवेदन लगाने के बाद भी नहीं हो रही सुनवाई

रायसेन। जिला मुख्यालय रायसेन के तहत आने वाले सांची ब्लॉक के ग्राम विशन खेड़ा के सैकड़ो ग्रामीण अपनी समस्याओं को लेकर लगभग 42 डिग्री तापमान में भी रायसेन कलेक्ट्रेट कार्यालय में होने वाली जनसुनवाई में पहुंचे और कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा को आवेदन देकर बिजली, पानी सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं से उन्हें अवगत कराया । बता दे कि ग्रामीणों ने वहां मौजूद मीडिया कर्मियों से चर्चा करते हुए बताया कि कई बार जनसुनवाई में आवेदन देने के बाद भी अभी तक हमारी सुनवाई नहीं हो पा रही है और इस बार अगर हमारी सुनवाई नहीं हुई तो सभी ग्रामीण मिलकर सड़कों पर उतरेंगे और उग्र आन्दोलन करेंगे इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।ग्रामीणों का कहना है कि गांव में सड़क, पानी, बिजली की व्यवस्था है और न ही सरकारी योजनाओं का ही लाभ मिल रहा जिस हाल में पहले थे उसी हाल में आज भी परेशानियों का सामना कर रहे हैं।विधायक से लेकर सांसद और संतरी से लेकर मंत्री तथा संबंधित अधिकारियों को भी कई बार आवेदन दिए निवेदन भी किए जा रहे हैं इसके बाद भी कोई काम नहीं हो रहा है ।अब हमने भी अपनी लड़ाई लडने़ के लिए आंदोलन करने की योजना बनाई है गांव सड़को से लेकर जिला मुख्यालय तक हम मांग करने अपनी आवाज उठाएंगे भले ही हमें इसके लिए कुछ भी करना पड़े।उन्होंने अंतिमवार जनसुनवाई में आवेदन दिया है सुनवाई नहीं होती और समस्या हल नहीं हुई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

बिजली अवरूद्ध होने पर उपभोक्ता कॉल सेन्टर 1912, उपाय ऐप

रायसेन। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने बिजली उपभोक्ताओं की सुविधा को देखते हुए फ्यूज ऑफ कॉल (विद्युत अवरोध को दूर करना) समय पर अटेण्ड करने के निर्देश दिए हैं। प्रबंध संचालक ने कहा है कि कंपनी के समस्त मैदानी अधिकारी अथवा कार्मिक अपने मोबाइल फोन को 24 घंटे चालू रखें एवं उपभोक्ताओं के कॉल अटेंड करें।इसके साथ ही क्षेत्रीय मुख्य महाप्रबंधक, संभागीय उप महाप्रबंधक एवं सभी मैदानी अधिकारी कॉल सेन्टर 1912, व्हाट्सऐप चैटबोट तथा स्थानीय वाट्सऐप ग्रुप एवं अन्य माध्यम से प्राप्त होने वाली विद्युत संबंधी शिकायतों का तत्काल समाधान करना सुनिश्चित करें। सभी मैदानी अधिकारियों से कहा है कि वे सीआरएम पोर्टल पर सतत निगरानी रखें और जनप्रतिनिधि तथा उपभोक्ताओं से संवाद बनाये रखें। कंपनी ने कहा है कि ऑंधी, बारिश के दौरान एवं अन्य व्यवधान के कारण हुए बिजली फॉल्ट की शिकायतें दर्ज कराने के लिए कंपनी ने उपभोक्ताओं को अनेक विकल्प प्रदान किये हैं।अब उपभोक्ताओं के पास विद्युत व्यवधान संबंधी शिकायतों को दर्ज करने के लिए कॉल सेन्टर के टोल फ्री नंबर 1912, व्हाट्सएप नंबर 0755-2551222, मोबाइल ऐप 'उपाय अथवा कंपनी की वेबसाइट का विकल्प मौजूद है।उपभोक्ता इन विकल्पों में से किसी भी एक विकल्प का उपयोग कर अपनी विद्युत व्यवधान संबंधी शिकायतें दर्ज कर आसानी से निराकरण करा सकते हैं। कंपनी ने कहा है कि उपभोक्ता शिकायत दर्ज करने के लिए अपने मोबाइल में कंपनी के व्हाटसऐप नंबर 07552551222 को सेव कर मैसेज लिखकर भेजें एवं आगामी संदेशों का पालन करें।

सांदीपनि विद्यालयों से शैक्षणिक स्तर में हुई वृद्धि, बच्चों का हो रहा सर्वांगीण विकास

सांची स्थित शासकीय सांदीपनि विद्यालय में बच्चों को मिल रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

रायसेन ■ निसं

शासकीय स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक बेहतर बनाने प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किए गए सांदीपनि विद्यालय ग्रामीण और मध्यम वर्गीय बच्चों के जीवन में बड़ा बदलाव ला रहे हैं। सांदीपनि विद्यालयों के माध्यम से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिए जाने के साथ ही उनके कौशल विकास और उन्हें रोजगार से जोड़ने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रायसेन जिले के सांची में स्थित शासकीय सांदीपनि विद्यालय, सांची और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों में शिक्षा की अलख जगा रहा है। यहां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध है, जिससे यह विद्यालय क्षेत्र में एक आदर्श शैक्षणिक संस्थान के रूप में पहचाना जा रहा है। इस विद्यालय ने आधुनिक तकनीकी शिक्षण और खेल में उत्कृष्ट उपलब्धियाँ हासिल की है।

शासकीय सांदीपनि विद्यालय सांची में विद्यार्थियों के सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन हेतु 12 बसें संचालित हैं, जिनके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी भी सुगमता से विद्यालय आते हैं। यह सुविधा पूर्णत: नि:शुल्क है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में विद्यालय में 1067 बच्चे प्रवेशित थे तथा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में विद्यार्थियों की संख्या 1500 से अधिक संभावित है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में विद्यालय के 20 विद्यार्थियों को शासन की योजना के तहत लैपटॉप प्रदान किए गए।

बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी: शासकीय सांदीपनि विद्यालय सांची का शैक्षणिक सत्र वर्ष 2023-24 में जहां कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 75 प्रतिशत और कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम 65 प्रतिशत था, वहीं शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 95 प्रतिशत और कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम 85 प्रतिशत रहा। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में शासकीय सांदीपनि विद्यालय सांची का कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा और कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम 87 प्रतिशत रहा। विद्यालय की बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों में लगातार हो रही वृद्धि से अभिभावक भी अब अपने बच्चों को निजी विद्यालय की जगह शासकीय विद्यालयों में प्रवेश दिला रहे हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतियोगिता में सहभागिता कर रहे विद्यार्थी: शासकीय सांदीपनि विद्यालय सांची में विद्यार्थियों द्वारा खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों सहित विविध प्रतियोगिताओं में निरंतर बेहतर प्रदर्शन किया जा रहा है। विद्यालय की छात्रा कु. माही राजपूत, कु. रितिका खरे और कु. नेहा राजपूत ने ताइक्वांडों में राष्ट्रीय स्तर पर सहभागिता की है। कु. माही राजपूत ने राष्ट्रीय स्तर पर योगा में भी प्रतिभागिता की है। इसके अतिरिक्त विद्यालय के छात्र राज अहिरवार ने राष्ट्रीय स्तर पर हैण्डबॉल में, कु. अनुष्का अहिरवार ने राष्ट्रीय स्तर पर शॉटवाल प्रतियोगिता में तथा अंकित मेहरा ने भी राष्ट्रीय स्तर पर शॉटवाल प्रतियोगिता में सहभागिता की है। विद्यालय में विद्यार्थियों को तकनीकी और आधुनिक शिक्षा प्रदान करने हेतु 19 इन्ट्रेक्टिव पैनर, 25 सीसीटीवी, आईटीआई और कम्प्यूटर में कौशल प्रदान करने के लिए आईटी तथा इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर की वर्किंग लैब है। यहां विद्यार्थियों को ऑनजॉब ट्रेनिंग भी कराई जाती है।

प्रभारी सीएमओ अमर सिंह उईके पैर में गंभीर चोट तथा प्लास्टर चढ़ा होने के बावजूद कर रहे आफिस का काम

सिवनी मालवा ■ निसं

राजस्थानी नगर पालिका परिषद में प्रभारी सीएमओ अमर सिंह ऊईके के पैर में गंभीर चोट होने तथा प्लास्टर चढ़ा होने के बावजूद वे बिना मेडिकल अवकाश लिए निरंतर कार्यालयीन कार्यों का संचालन कर रहे हैं। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के बावजूद भी नगर पालिका के शासकीय कार्यों में किसी प्रकार की रुकावट ना हो और जनहित हित से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों की नियमित समीक्षा एवं निष्पादन किया जाता रहे । चिकित्सक के द्वारा पैर में प्लास्टर होने के कारण आराम की सलाह दी गई है, किंतु नगर पालिका के विभिन्न विकास कार्यों, प्रशासनिक दायित्वों एवं नागरिक सुविधाओं को प्रभावित न होने देने के उद्देश्य से सीएमओ लगातार कार्यस्थल पर उपस्थित रहकर आवश्यक फाइलों का परीक्षण, कर्मचारियों को दिशा-निर्देश एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं।

मेडिकल अवकाश लिए बिना निरंतर कार्यालयीन कार्यों का संचालन कर रहे

शासकीय आईटीआई में प्रवेश हेतु पंजीयन 20 जून तक

रायसेन ■ निसं

मध्यप्रदेश की समस्त शासकीय आईटीआई में संचालित एनसीव्हीटी/एससीव्हीटी के पाठयक्रमों में प्रवेश हेतु विद्यार्थी कौशल विकास विभाग के पोर्टल ूण्केकण्उचण्हवअण्पद पर 20 जून तक पंजीयन करा सकते हैं। प्रवेश से संबंधित समस्त जानकारी डीएसडी पोर्टल पर उपलब्ध है।इन आईटीआई में व्यवसायिक प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि उद्योगों के लिए कुशल, प्रशिक्षित व्यक्तियों की पूर्ति की जा सके। साथ ही आवेदक स्वयं के लघु उद्योग या स्वरोजगार स्थापित कर सके। रायसेन जिले में 06 शासकीय आईटीआई संचालित हैं। इन संस्थाओं में इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग 16 व्यवसायों में कुल 1068 सीटों पर प्रवेश की कार्यवाही की जा रही है।मध्यप्रदेश की महिला नीति के अंतर्गत सत्र 2025 से आईटीआई में 35 प्रतिशत स्थान महिलाओं के लिए आरक्षित है। प्रवेश हेतु आवेदकों द्वारा ऑनलाईन माध्यम से कौशल विकास विभाग के पोर्टल पर पंजीयन और संस्थाओं एवं व्यवसायों की च्वाइस फिलिंग की जाकर ऑनलाईन काउंसलिंग के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। शासकीय आईटीआई रायसेन में व्यवसाय फिटर में 20 सीट, विधुतकार में 20 सीट, ड्राफ्टसमेन सिविल में 24 सीट, कोपा में 48 सीट, वेल्डर में 40 सीट एवं स्टेनोग्राफी हिन्दी में 24 सीट सहित कुल 176 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा।

वर्षा पूर्व बड़े नालों की सफाई अभियान जारी, वार्ड 13 के नाले की हुई सफाई

बुधनी ■ निसं

आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद बुधनी द्वारा नगर के प्रमुख नालों की सफाई का विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। अभियान के तहत नगर के बड़े नालों की जेसीबी मशीन की सहायता से सफाई कराई जा रही है, ताकि बारिश के दौरान जलभराव और गंदगी की समस्या से नागरिकों को राहत मिल सके। नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता अर्जुन मालवीय एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी संतोष रघुवंशी के निर्देशानुसार सहायक स्वच्छता निरीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन में यह कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 13 स्थित बड़े नाले की जेसीबी मशीन से व्यापक सफाई कराई गई। नगर परिषद के अधिकारियों ने बताया कि वर्षा के दौरान नालों में जल प्रवाह सुचारु रूप से बना रहे और जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए नगर के सभी प्रमुख नालों की सफाई चरणबद्ध तरीके से की जा रही है। अभियान के दौरान नालों से निकली गाद एवं कचरे का भी उचित निस्तारण किया जा रहा है। नगर परिषद ने नागरिकों से अपील की है कि वे नालों एवं सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फेंकें तथा स्वच्छ एवं सुंदर बुधनी के निर्माण में अपना सहयोग प्रदान करें।

12 वर्षों की राष्ट्रसेवा और समर्पण को नमन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का

प्रदेश के 8.5 करोड़ नागरिकों और
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से
हार्दिक आभार और अभिनंदन

आदरणीय प्रधानमंत्री जी,
सादर प्रणाम

भारतवर्ष के प्रधानमंत्री के रूप में आपके यशस्वी नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मध्यप्रदेश की समस्त जनता तथा अपनी ओर से आपको हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ । आपके दूरदर्शी नेतृत्व में देश ने विगत वर्षों में विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता, डिजिटल नवाचार, आधारभूत संरचना निर्माण तथा वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। आपके इस स्वर्णिम कार्यकाल की एक प्रमुख विशेषता, विश्व अर्थव्यवस्था के पटल पर भारत की अर्थव्यवस्था का प्रमुख विकास इंजन के रूप में उभरना रहा है। रूस यूक्रेन संकट में ऑपरेशन गंगा, कोविडकाल में वैक्सीन मैत्री, जी-20 की अध्यक्षता इन सभी में भारत एक वर्ल्ड लीडर के रूप में सामने आया है। आतंकवाद के विरुद्ध आपकी जीरो टॉलरेंस सभी ने देखी। उरी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा हमले के बाद बालाकोट स्ट्राइक और पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर, हर बार आपके मजबूत नेतृत्व में भारत ने दुश्मन को करारा जवाब दिया है।

आपके मन में देश के गरीब, किसान, मध्यम वर्ग के लोगों के लिये गहन संवेदना है। यही कारण है कि पिछले 12 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। आज पूरे देश में 81 करोड़ से अधिक लोगों को 5 किलो मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। आपने 4 करोड़ से अधिक लोगों को पक्के मकान देकर उनका पक्की छत का सपना साकार किया है। जल जीवन मिशन से नल से जल की व्यवस्था हुई है। देश के अन्नदाता के प्रति आपकी सोच का ही परिणाम है कि पीएम किसान सम्मान निधि में 4 लाख करोड़ रूपये से अधिक की राशि किसानों के बैंक खातों में जा चुकी है।

नारी सशक्तिकरण के लिये आपके प्रयास हम सब के लिये अनुकरणीय है। लोकसभा एवं विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के लिये आपकी प्रतिबद्धता और समर्पण वंदनीय है। पिछले 12 वर्षों में आपने नारी सशक्तिकरण के लिये पीएम उज्ज्वला योजना, स्व-सहायता समूहों का गठन, लखपति दीदी, पीएम सुकन्या समृद्धि योजना, पीएम मातृ वंदना जैसी अनेक योजनाओं की सौगात दी। आज देश में 48 प्रतिशत स्टार्टअप्स में महिला निदेशक हैं।

प्रदेश को हमेशा पल-पल पर आपका मार्गदर्शन स्नेह और आशीर्वाद मिला है। आपने मध्यप्रदेश को केन- बेतवा लिंक परियोजना, पार्वती - कालीसिंध - चंबल लिंक परियोजना जैसी सिंचाई परियोजनाओं की सौगात दी है, आपके नेतृत्व में मध्यप्रदेश औद्योगिकीकरण के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। फरवरी 2025 में आपने स्वयं पधार कर भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का उद्घाटन कर हमें अनुग्रहीत किया था। पिछले 2 वर्षों में प्रदेश को 33 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और तेजी से ये धरातल पर उतर रहे हैं। आपके ही कर कमलों से धार में देश के पहले टेक्सटाइल पीएम मित्र पार्क का भूमिपूजन आपके जन्मदिवस पर सेवा पखवाड़े में सम्पन्न हुआ।

आपका आशीर्वाद मध्यप्रदेश को सभी क्षेत्रों में मिला है। आपने सड़क अधोसंरचना में मध्यप्रदेश को बड़ी सौगातें दी हैं। आपने 136 कि.मी. लंबे लगभग 3 हजार करोड़ रूपये लागत से उज्जैन- गरोठ ग्रीन फील्ड हाईवे का निर्माण कराया जिससे इंदौर एवं उज्जैन के लोगों को दिल्ली से कनेक्टिविटी मिली। इसी तरह राष्ट्रीय राजमार्ग-46 के इटारसी-बैतूल 22 कि.मी. टाइगर कॉरिडोर, भोपाल- कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के 4-लेन में अपग्रेड करने की स्वीकृति, 6-लेन आगरा - ग्वालियर राष्ट्रीय हाई स्पीड कॉरिडोर की परियोजना की स्वीकृति प्रदान की। आपके द्वारा प्रदेश को दी गई कई सड़क परियोजनायें प्रगतिरत हैं।

आपके मार्गदर्शन में प्रदेश में वर्ष 2026 "कृषक कल्याण वर्ष" के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष गेहूं में समर्थन मूल्य पर 13.42 लाख किसानों द्वारा 104.36 लाख मे. टन गेहूं विक्रय किया गया है। यह विगत 10 वर्षों में सर्वाधिक है। भावान्तर योजना के अंतर्गत सोयाबीन उत्पादक लगभग 6 लाख 86 हजार किसानों के खाते में लगभग 1 हजार 454 करोड़ रुपये की राशि का अंतरण किया गया है।

आपके नेतृत्व में गरीबों के कल्याण से संबंधित योजनाओं में मध्यप्रदेश लगातार कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री आवास (शहरी) में 9 लाख से अधिक हितग्राहियों को अपना पक्का घर मिला है वहीं प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) में 54.08 लाख नागरिकों को आवास मिले हैं। आवास पूर्णता में संख्यात्मक रूप में प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। इसी तरह से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में प्रदेश में 15.94 लाख प्रकरणों में 2697 करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया गया है। इस योजना में मध्यप्रदेश देश में प्रथम है।

आपके मार्गदर्शन में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से प्रगति हुई है। प्रदेश में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या 14 से बढ़कर 19 तथा निजी चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या 12 से बढ़ कर 14 हो गई है। इसी तरह से भारत की परम्परागत चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद का भी आपके मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार विस्तार कर रही है। वर्तमान में प्रदेश में 7 शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय हैं तथा 8 नए कॉलेज स्थापित किये जा रहें हैं। आपकी राष्ट्र को स्वास्थ्य क्षेत्र में दी गई सबसे बड़ी सौगात "आयुष्मान भारत" में जनसंख्या अनुपात में आयुष्मान कार्ड बनाने में प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है।

आप ने इन 12 वर्षों में भारत वर्ष के गौरवशाली अतीत और सांस्कृतिक विरासत को भी पुन: जागृत किया। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर का निर्माण राष्ट्र की चेतना का जागरण है। आपके द्वारा काशी विश्वनाथ धाम, श्री महाकाल महालोक, केदारनाथ धाम एवं सोमनाथ धाम का विकास वर्तमान पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी को अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का अद्भुत प्रयास है। वर्ष 2014 में आपके प्रयास से संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मान्यता दी। आज 190 से अधिक देशों में करोड़ों लोग योग को अपना चुके हैं। यह भारत की आध्यात्मिक शक्ति को मिली विश्व की सबसे बड़ी मान्यता है।

आपके कुशल एवं दृढ़ नेतृत्व में पूरे भारत वर्ष में मार्च 2026 तक नक्सल समस्या को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया था, उसे मध्यप्रदेश ने भी प्राप्त कर लिया। यह आपकी दृढ़ इच्छा शक्ति का ही परिणाम है कि दशकों से चली आ रही एक राष्ट्रीय समस्या का उन्मूलन संभव हो सका। अब आपके मार्गदर्शन में नक्सल प्रभावित गाँवों के त्वरित विकास के लिये माइक्रो डेवलपमेंट प्लान तैयार किया जा रहा है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र ने देश एवं प्रदेश के विकास को नई गति प्रदान की है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर मैं आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर सफल नेतृत्व की कामना करता हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके मार्गदर्शन में भारत अमृतकाल के लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए विश्व में और अधिक गौरवशाली स्थान प्राप्त करेगा।

सादर !

भवदीय
(डॉ. मोहन यादव)
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

D11032/26

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, सागर रोड, रायसेन से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित।: संपादक- डी.पी.गोयल ।मो.9827054436, 9826735596. व्यवस्थापक: श्याम अग्रवाल, भोपाल कार्यालय : 4240007. फैक्स:0755-4296195 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा ।) ।